'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र'
समाचार गेट
City24News शहर आपका, खबर आपकी
Digital Media Platform
News app · Online E-Paper · News Portal · Youtube · Facebook · Instagram · Twitter · Tumbler · Reddit
वर्ष 1, अंक 01 पेज 8 बुधवार 28 फरवरी, 2024 TITLE CODE : HARHIN11569

जनता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए किया बजट पेश : मुख्यमंत्री

2050 तक रहेगी बीजेपी की सरकार- मनोहर लाल

सरकार के सभी संसाधनों पर पहला अधिकार गरीब का है

राज्य सरकार हरियाणा को 7-स्टार प्रदेश बनाने की दिशा में बढ़ रही आगे

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने पिछली सरकारों की तरह मांग के आधार पर नहीं बल्कि जनता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए बजट पेश किया है। जनता हम पर विश्वास करती है कि सरकार उनके लिए है। मुख्यमंत्री आज यहां हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान वर्ष 2024-25 के पेश किए गए बजट अनुमानों पर चर्चा के दौरान बतौर वित्त मंत्री जवाब दे रहे थे। मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान सरकार ने पूर्ववर्ती सरकारों की तरह एक जिले या एक इलाके को प्रदेश मानकर विकास करने की संस्कृति को खत्म किया है। हमने बिना मांगे पूरे प्रदेश में सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के साथ-साथ विकसित हरियाणा के सपने को साकार करना हमारा संकल्प है। इसलिए मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि 2050 तक बीजेपी की सरकार रहेगी। बजट में आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट का मूल सिद्धांत प्राप्तियां और खर्च होता है, जिसमें एक पैसे का अंतर भी नहीं हो सकता। स्टेट ऑन टेक्स रेवन्यू पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2001-02 में यह आंकड़ा 4,971 करोड़ रुपये था जो वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान में 84,551 करोड़ रुपये प्रस्तावित है, जोकि 20 गुणा से अधिक की वृद्धि है। हमारा स्टेट ऑन टेक्स रेवन्यू बढ़ा है, जो विकास को दर्शाता है, परिणास्वरूप हमारी जीएसडीपी भी बढ़ी है। एफआरबीएम एक्ट के अनुसार जीएसडीपी के 3 प्रतिशत तक हम कर्ज ले सकते हैं। वर्ष 2024-25 बजट अनुमानों में यह 2.77 प्रतिशत अनुमानित है। मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष 2014-15 में इफेक्टिव रेवन्यू डेफिसिट 1.90 प्रतिशत था, जो अनुपूरक अनुमान-2023-24 में 0.65 प्रतिशत रहा और वर्ष 2024-25 के बजट अनुमान में 0.9 प्रतिशत

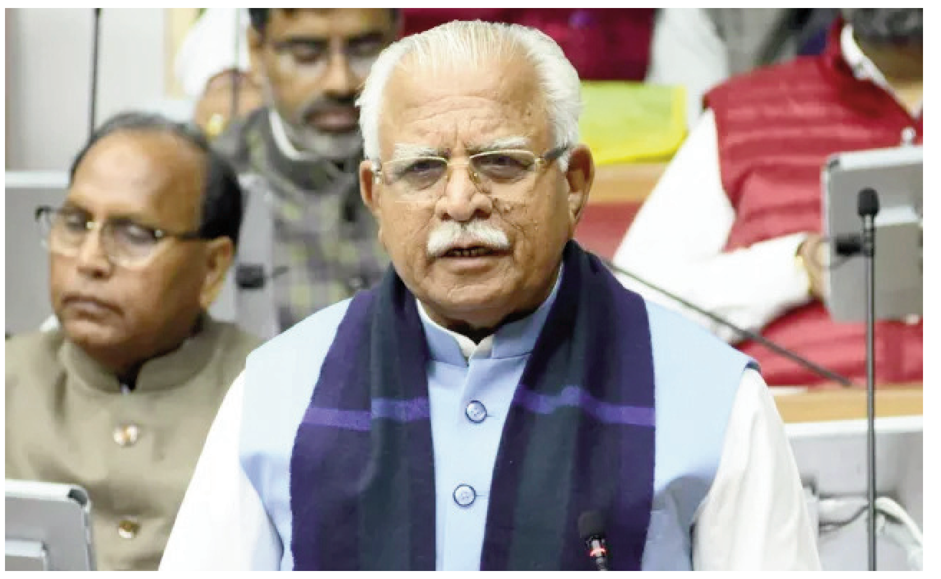

प्रस्तावित है। उम्मीद है कि यह 1 प्रतिशत से नीचे ही रहेगा। इसमें हम लगातार सुधार कर रहे हैं।

सरकार के सभी साधनों पर पहला अधिकार गरीब का है

मनोहर लाल ने कहा कि हमारी सरकार अंत्योदय की भावना से कार्य कर रही है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति के उत्थान व उनके जीवन को सरल और सुगम बनाने के लिए काम किये जा रहे हैं। हम यह मानते हैं कि सरकार के सभी साधनों पर पहला अधिकार गरीब का है। हम हरियाणा एक-हरियाणवी एक के मूल सिद्धांत पर चलते हुए प्रदेश को विकास की नई बुलंदियों पर ले जाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने आय वृद्धि बोर्ड का गठन किया है, ताकि गरीब लोगों की आय को बढ़ाया जा सके और वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें। पहले नारा चलता था रोटी, कपड़ा और मकान। हमने रोटी, कपड़ा और मकान के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मान भी जोड़ा है। हम सुशासन की अवधारणा से प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को सरल और सुगम बना रहे हैं। वर्तमान राज्य सरकार प्रदेश को 7-स्टार यानि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वामिभान, स्वावलंबन, सेवा और सुशासन प्रदेश बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने अपराध के तुलनात्मक आंकड़े पेश करते हुए कहा कि 2005 से 2014 तक 10 सालों में प्रदेश में हत्या के मामलों में वार्षिक वृद्धि दर 3.9 प्रतिशत थी, जो 2014 से अब तक माइनस 0.51 प्रतिशत है। इसी प्रकार, डकैती की दर 7.73 से घटकर माइनस 3.90, लूटपाट की 9.38 प्रतिशत से घटकर 3.23 प्रतिशत, छीना-झपटी 10.86 प्रतिशत से घटकर 4.53 प्रतिशत, दुष्कर्म की 10.86 प्रतिशत से घटकर 5.01 प्रतिशत, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के मामलों की दर 18.02 प्रतिशत से घटकर 2.62 प्रतिशत, बच्चों का अपहरण मामलों की दर 22.61 से घटकर 3.49 प्रतिशत, सरकारी कर्मचारियों पर हमले की दर 4.41 प्रतिशत से घटकर माइनस 2.81 तथा दहेज हत्या के मामलों की दर 3.66 से घटकर माइनस 4.1 हुई है। उन्होंने कहा कि ग्रुप-सी पदों के लिए ली गई परीक्षा का परिणाम जल्द ही घोषित होगा। इसके अलावा, पीजीटी व पुलिस में भी भर्ती की जा रही है। इस प्रकार आगामी समय में लगभग 43 हजार से अधिक भर्तियां की जाएंगी।

सदन में बजट पर चर्चा के दौरान अभय सिंह चौटाला ने बीजेपी और जेजेपी को घेरा

34 हजार करोड़ रूपए का कर्ज सिर्फ ब्याज चुकाने के लिए लिया गया है: अभय सिंह चौटाला

प्रदेश में कानून व्यवस्था का पूरी तरह से दिवालिया पिटा हुआ है: अभय सिंह चौटाला

प्लासटिक की बोतल बंद करके कांच की बोतल में शराब बेचने की पॉलिसी लाकर नया घोटाला करने की तैयारी: अभय सिंह चौटाला

कहा पूर्व विधायक नफे सिंह राठी की निर्मम हत्या करने में किसी गैंग की कोई भूमिका नहीं है बल्कि यह बीजेपी गैंग का काम है

अगर सही मायने में सरकार प्रदेश की हितैषी है तो जो शराब घोटाला हुआ था और उसकी तीन अलग-अलग जांच हुई थी, उनकी रिपोर्ट सदन पटल पर रखे, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। बजट पर चर्चा के दौरान सदन में बोलते हुए अभय सिंह चौटाला ने कहा कि इस बजट में 6 हजार करोड़ रूपए की बढोतरी की है और कर्ज लगभग 34 हजार करोड़ रूपए लिया है तो फिर इस बजट में अच्छा क्या है? प्रदेश को कर्ज में डूबो कर प्रदेश को दिवालिया कर दिया। 2021-22 के बजट में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी थी उसके बाद के जितने भी बजट आए हैं उनमें मात्र 3-3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। अब प्रदेश के उपर 3 लाख 17 हजार करोड़ रूपए का कर्ज हो गया है। 34 हजार करोड़ रूपए का कर्ज सिर्फ ब्याज देने के लिए लिया गया है। सरकार 60 हजार करोड़ रूपए की सालाना कर्ज की अदायगी करती है और बजट का एक तिहाई हिस्सा इसमें चला जाएगा। बाकी बचा हुआ पैसा तनख्वाह और अन्य खर्चों में चला जाएगा। इसका मतलब विकास पर तो पैसा खर्च ही नहीं होगा। पिछले बजट का पैसा सभी विभागों में लैप्स हुआ है। जब किसी भी विभाग में कोई पैसा लैप्स होता है तो अगले वर्ष केंद्र सरकार की तरफ से कटौती करके मिलता है। अगर पैसा पूरा खर्च होता है और उसके बाद और पैसों की मांग की जाती है तो अगली बार केंद्र की तरफ से 4-5 प्रतिशत बढ़ा के दिया जाता है। सरकार विकास के काम करवाने में गंभीर नहीं है। अगर गंभीर होती तो हर विभाग में पैसा लैप्स होने के बजाय और पैसों की मांग होती। कृषि के लिए 2022-23 में कुल बजट का 11.80 प्रतिशत था लेकिन इस वर्ष उसको कम करके 11.52 प्रतिशत कर दिया गया। .28 प्रतिशत की कमी कर दी गई। इसी तरह से शिक्षा और खेल में पिछले वर्ष के मुकाबले .3 प्रतिशत की कमी कर दी गई। ग्रामीण विकास में .9 प्रतिशत की कटौती की गई।

कानून व्यवस्था पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था का तो पूरी तरह से दिवालिया पिटा हुआ है। इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक नफे सिंह राठी की निर्मम हत्या करने में किसी गैंग की कोई भूमिका नहीं है बल्कि यह बीजेपी गैंग का काम है। नफे सिंह राठी जिनकी हत्या कर दी गई हमारे सदन के सम्मानित सदस्य रहे हैं और उन्होंने मरने से पहले बकायदा एसपी को चार लोगों के नाम लिख कर दिए थे जिनसे उनको जान का खतरा था। उन्होंने अपने लिए सुरक्षा देने की गुहार लगाई थी लेकिन उनको सुरक्षा नहीं दी गई। जिन चार लोगों के नाम एफआईआर में लिखाए गए उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कहा तो मुख्यमंत्री की तरफ से कहा गया कि ये तो बीजेपी के लोग हैं। तो क्या बीजेपी को इस बात की छूट है कि वो जिसको मर्जी सुपारी देकर मरवाने का काम करेंगे। इसका मतलब बीजेपी ने अपने संगठन में एक नया सैल बना लिया जिसके तहत जिसकों मर्जी मरवा दो। उन्होंने कहा कि मुझे खुद को धमकी मिली थी जिसकी सूचना जींद के एसपी को देने पर मेरी सुरक्षा बढ़ाई गई लेकिन दो दिन बाद ही हटा दी गई। गृह मंत्री से पूछना चाहता हूं कि जींद एसपी को जो दर्खास्त मेरी तरफ से दी गई थी उसपर अब तक क्या कार्रवाई की गई है? मुझे आजतक कोई भी सूचना आपकी तरफ से क्यों नहीं आई? बाकी और भी विधायकों को धमकियां मिली थी उनकी जानकारियां आपने उपलब्ध कराई या नहीं? मुझे आज ही सदन में जवाब दिया जाए कि पिछले आठ महीने में मेरी दर्खास्त देने के बाद क्या कार्रवाई की?

सदन में उन्होंने आबकारी विभाग से संबंधित एक नए घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि एक और नया माफिया खड़ा किया जा रहा है। पहले एक शराब माफिया था जो गोदामों से खिडकी तोड़ कर शराब की चोरी करके उसे बेचने का काम करता था। अब एक पॉलिसी और बन रही है जिसे तहत जबरदस्ती यह थोपा जा रहा है कि प्लासटिक की बोतल को बंद करके शीशे की बोतल में शराब बेची जाएगी। जबकि प्लासटिक की बोतल में शराब पूरे देश में बिकती है और एफडीए की तरफ से उसकी मंजूरी होती है। इस पॉलिसी से शराब और महंगी हो जाएगी जिसके कारण शराब का माफिया सक्रिय हो जाएगा और पड़ोसी प्रदेश से शराब की तस्करी बढ़ जाएगी। उन्होंने खुलासा किया कि यह पॉलिसी एक महिला जिसका नाम दीपिका सांगवान है, जो कहती है कि वो मंत्री की बुआ है, उसको लाभ पहुंचाने के लिए बनाई जा रही है। वो महिला शराब फैक्ट्री के मालिकों से कहती है कि उससे शराब की बोतलें लेने का कांट्रैक्ट कर लें और शीशे की बोतलें वो सप्लाई करेगी। शीशे की बोतल से सरकार या फैक्ट्री मालिकों को कोई लाभ नहीं होगा। केवल और केवल माफिया को लाभ होगा। मुख्यमंत्री को इस पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने गृह मंत्री को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि तुमने प्रदेश का सत्यानाश कर दिया। कानून व्यवस्था पूरी तरह से खत्म करके रख दी। अगर सही मायने में सरकार प्रदेश की हितैषी है तो जो शराब घोटाला हुआ था और उसकी तीन अलग-अलग जांच हुई थी, उनकी रिपोर्ट सदन पटल पर रखे। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा जब जांच सदन में रखी जाएगी।

बजट के नाम पर सरकार ने की सिर्फ आंकड़ों की लीपापोती : हुड्डा

हरियाणा पर कुल 4,51,368 करोड़ रुपए हुआ कर्ज, सच्चाई से नजर चुरा रही सरकार- हुड्डा

नए लोन के 67,163 करोड़ में से पुराना लोन चुकाने में ही खर्च हो जाएंगे 64,280 करोड़ रुपए- हुड्डा

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधानसभा में बजट पर बोलते हुए इसे पूरी तरह आंकड़ों की लीपापोती करार दिया। हुड्डा ने कहा कि इस सरकार ने प्रदेश पर कर्ज बढ़ाने के अलावा कुछ नहीं किया। आज हरियाणा पर कुल 4,51,368 करोड़ रुपए (आंतरिक कर्ज- 3,17,982, स्मॉल सेविंग- 44000, बॉर्ड व कॉरपोरेशन- 43,955, बकाया बिजली बिल व सबसिडी- 46,193) का कर्जा हो चुका है। लेकिन बीजेपी-जेजेपी सरकार इस सच्चाई से नजर चुराती नजर आ रही है।

हुड्डा ने कहा कि वर्ष 2024-25 के लिए भी सरकार ने 67,163 करोड रुपए लोन लेने की बात कही है। जबकि पिछले लोन और उसके ब्याज के भुगतान में ही सरकार को 64,280 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे। यानी नए कर्ज की 95.7 प्रतिशत राशि पुराने लोन की किश्त देने में ही खर्च हो जाएगी।

इसी तरह सरकार द्वारा बजट में 55,420 करोड़ के पूंजीगत निर्माण में व्यय करने की बात कही गई। लेकिन अगर इसमें से कर्ज की किश्त व पेशगी घटा दी जाए तो यह राशि सिर्फ 16,280 करोड़ रुपए ही बचती है। यह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। इतनी राशि से बजट में की गई घोषणाओं को पूरा करना असंभव है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बजट सिर्फ आय और खर्च का लेखा-जोखा नहीं होता, बल्कि ये प्रदेश में विकास की दिशा भी तय करता है। लेकिन मौजूदा सरकार ने इसे महज एक वित्तीय औपचारिकता बनकर रख दिया है। पिछले साढ़े नौ साल में इस सरकार ने जितने भी बजट पेश किए हैं, उनमें किए गए दावे और वादे कभी जमीन पर नहीं उतर पाए। नई कल्याणकारी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने की बजाय इस सरकार ने कांग्रेस कार्यकाल की 100-100 गज प्लॉट आवंटन वाली योजना को ही बंद कर दिया। पक्की नौकरियां देने की बजाय कौशल निगम की ठेकेदारी प्रथा शुरू की गई। अग्निवीर जैसी योजना को लागू करके युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। किसानों की आय डबल करने का वादा करके उनकी लागत को कई गुना बढ़ा दिया गया। एक किस्सा सुनाते हुए हुड्डा ने कहा कि एकबार गांव में एक बच्चा मिठाई के लिए रो रहा था। एक बुजुर्ग आया जिसने बच्चे को उठाकर टांड पर बैठा दिया। बच्चा रोने लगा और मिठाई की मांग छोड़कर, नीचे उतारने के लिए रोने लगा। बीजेपी-जेजेपी ने भी हरियाणा की जनता के साथ यहीं खेल खेला है। युवा पक्की नौकरी मांग रहे थे तो सरकार ने उन्हें कौशल निगम और अग्निवीर की की टांड पर बैठा दिया। इसी तरह किसान दोगुनी आय मांग रहे थे, उन्हें कई गुना लागत की टांड पर बैठा दिया।

नफे सिंह राठी का विधायक के तौर पर दूसरा चुनाव सुप्रीम कोर्ट ने किया था रद्द

इसी कारण पूर्व विधायक के तौर पर मिल रही थी एक कार्यकाल की पेंशन

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। इनेलो के निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष नफे सिंह राठी, जिनकी रविवार 25 फरवरी 2024 की शाम अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या कर दी, वह हालांकि झज्जर जिले की बहादुरगढ़ विधानसभा सीट से निरंतर दो बार विधायक निर्वाचित हुए थे परन्तु रोचक बात यह है कि आधिकारिक तौर पर उनका विधायक के तौर पर एक ही कार्यकाल है एवं इसी कारण उन्हें हरियाणा विधानसभा सचिवालय से पूर्व विधायक के तौर पर दो नहीं बल्कि एक ही कार्यकाल की पेंशन प्राप्त हो रही थी.

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के एडवोकेट हेमंत कुमार ने इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि जब उन्होंने गत वर्ष प्रदेश विधानसभा के सभी पूर्व सदस्यों (विधायकों) को मिल रही पेंशन राशि बारे आर.टी.आई. आवेदन कर विस्तृत सूचना मांगी, तो उसमें नफे सिंह राठी को पूर्व विधायक के तौर पर केवल एक ही कार्यकाल अर्थात मई, 1996 से दिसम्बर, 1999 तक के कार्यकाल की पेंशन दी जा रही दर्शायी गयी. मई,1996 में वह समता पार्टी (देवी लाल- ओपी चौटाला की पार्टी का तत्कालीन नाम जो बाद में पहले हरियाणा लोक दल राष्ट्रीय -हलोदरा और तत्पश्चात इंडियन नेशनल लोक दल- इनेलो बनी) के टिकट पर विधायक निर्वाचित हुए थे.

हेमंत ने बताया कि हालांकि नफे सिंह राठी फरवरी, 2000 में भी बहादुरगढ़ सीट से इनेलो के टिकट पर दूसरी बार विधायक निर्वाचित हुए थे, इस प्रकार हालांकि उनकी पूर्व विधायक के तौर पर दो कार्यकाल की पेंशन बनती थी परन्तु चूँकि जनवरी, 2005 में सुप्रीम कोर्ट के संवेधानिक बेंच ने नफे सिंह राठी के विरूद्ध इलेक्शन पिटीशन की सुनवाई करते हुए उनके फरवरी, 2000 में बहादुरगढ़ विधानसभा सीट से विधायक के तौर पर जीते दूसरे विधानसभा चुनाव को रद्द घोषित कर दिया था क्योंकि मई,1999 में उन्हें हत्या के एक मामले में अदालत द्वारा दोषी घोषित कर उम्रकैद की सजा सुनाई गयी थी एवं फरवरी,2000 में बहादुरगढ़ सीट से दूसरा विधानसभा चुनाव लड़ते समय उक्त मामले में दोषसिद्धि और सजा बरकरार थी जिस कारण नफे सिंह राठी विधायक के तौर पर चुनाव लड़ने के योग्य नहीं थे, इसलिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनका विधायक के तौर पर दूसरा चुनाव रद्द कर दिया गया था. इसी कारण हरियाणा विधानसभा द्वारा राठी को केवल उनके विधायक के तौर पर पहले कार्यकाल की ही पेंशन प्राप्त हो रही थी.

हेमंत ने यह भी बताया कि नफे सिंह राठी द्वारा उनकी दोषसिद्धि एवं सजा के विरूद्ध दायर क्रिमिनल अपील की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने हालांकि अगस्त, 2001 में उन्हें उक्त केस में बरी कर दिया गया था और इस आधार पर हाईकोर्ट ने उनके निर्वाचन विरूद्ध दायर इलेक्शन पिटीशन को जुलाई, 2002 में खारिज कर दिया था और जिससे उनका दूसरा चुनाव वैध हो गया था परन्तु सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी,2005 में हाई कोर्ट के उक्त निर्णय को पलट दिया था. बहरहाल, उसके बाद नफे सिंह राठी ने वर्ष 2005, 2009, 2014 और 2019 हरियाणा विधानसभा आम चुनावों में भी बहादुरगढ़ सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा परन्तु उन चारों चुनावों में यह पराजित हो गये थे. इसी दौरान वह वर्ष 2009 में रोहतक लोकसभा सीट से भी चुनाव हार गए थे.

हरियाणा सिविल सेवा अभियंता की सीधी भर्ती में एकरूपता हेतु नियमों में संशोधन का फैसला

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री संजीव कौशल ने सभी विभागों, बोर्डों और निगमों में उप मंडल अभियंताओं की सीधी भर्ती में एकरूपता लाने के उद्देश्य से हरियाणा सिविल सर्विसेज ऑफ इंजीनियर्स, संयुक्त भर्ती समूह-ख नियम, 2023 में संशोधन हेतु सात दिन के अन्दर सुझाव भेजने के निर्देश दिए हैं।

सभी प्रशासकीय सचिवों को लिखे एक पत्र में कहा कि राज्य सरकार द्वारा यह संशोधन करने का उद्देश्य लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें), जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सिंचाई एवं जल संसाधन, ग्रामीण विकास एवं पंचायत, शहरी स्थानीय निकाय, नगर एवं ग्राम आयोजना समेत विभिन्न बोर्डों और निगमों जैसे कि हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंतत्रण बोर्ड, हरियाणा पुलिस आवास बोर्ड, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, हरियाणा आवास बोर्ड, जहां ऐसे पद मौजूद हैं, में उप मंडल अभियंताओं की संयुक्त लिखित परीक्षा आयोजित करना और सीधी भर्ती प्रक्रिया में एकरूपता लाना है।

मोदी-मनोहर सरकार में पृथला क्षेत्र का हो रहा समुचित विकास : दीपक डागर

प्याला-डीग, बाघौला-जनौली रेलवे ब्रिज बनवाने की मंजूरी पर डागर ने जताया मुख्यमंत्री व केंद्रीय राज्यमंत्री का आभार

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पृथला विधानसभा क्षेत्र में प्याला-डीग रेलवे ब्रिज तथा बाघौला-जनौली रेलवे ओवर ब्रिज बनवाने की योजना का वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक डागर ने स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर सहित तमाम शीर्ष भाजपा नेतृत्व का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि पृथला विधानसभा क्षेत्र के लोगों की उक्त रेलवे ओवर ब्रिज बनाए जाने की मांग वर्षो से लंबित थी, जिसे मुख्यमंत्री मनोहर लाल व केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर के प्रयासों से सफलता मिली और अब 35.67 करोड़ की लागत से नई दिल्ली- पलवल खंड पर 571 सीकरी से प्याला सडक़पर फाटक के स्थान पर रेलवे ओवर ब्रिज तथा 36.34 करोड़ की लागत से नई दिल्ली-पलवल रेल खंड पर 568 बघोला से जनोली से सडक़ पर फाटक के स्थान पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन दोनों ही रेलवे ब्रिजों के बनने से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को जहां सहूलियतें मिलेंगी वहीं रेल दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। गांव अलावलपुर, जवां में सभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा नेता दीपक डागर ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत फरीदाबाद लोक सभा क्षेत्र में 767.33 करोड़ रुपये की धनराशि की विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरूआत हुई है, जिसका श्रेय मुख्यमंत्री मनोहर लाल और केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर की दूरदर्शिता वाली सोच को जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षो के शासनकाल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के सभी प्रदेशों में समान रूप से विकास करवाकर इस राज्य को देश का सबसे अग्रणीय राज्य की पंक्ति में ला खड़ा किया है वहीं मोदी-मनोहर के पदचिन्हों पर चलते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री एवं फरीदाबाद के सांसद कृष्णपाल गुर्जर ने इस जिले में रिकार्ड तोड़ विकास करवाकर इस जिले का नाम पूरे देश में विख्यात किया है। उन्होंने कहा कि मोदी-मनोहर सरकारे हर वर्ग का उत्थान कर रही है और विकास का यह सिलसिला यूं ही जारी रहे, इसके लिए हम सभी का आने वाले लोकसभा व विधानसभा चुनावों में भाजपा के पक्ष में भारी मतदान करके देश-प्रदेश में फिर से मोदी-मनोहर की सरकार बनाने का काम करना होगा, ताकि देश व प्रदेश ऐसे ही विकास की नई बुलंदियों की ओर अग्रसर होते रहे।

वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, छह आरोपी हुए गिरफ्तार

आरोपी पिछले जनवरी-फरवरी माह में 35-40 चोरी की वारदात को दे चुके है अंजाम

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। अपराध शाखा एनआईटी प्रभारी नरेश कुमार के नेतृत्व में अपराध शाखा टीम व थाना सेन्ट्रल प्रभारी रनवीर मलिक की टीम ने संयुक्त रुप से कार्रवाई करते हुए वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए कबाडी और चोरी के वाहन खरीदने वाले आरोपी सहित, वाहन चोरी करने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसीपी अपराध अमन यादव ने मंगलवार को प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में बबलू, संदीप, दिनेश उर्फ गंजा, आरिफ, मुस्तफा और सोनू का नाम शामिल है।

आरोपी बबलू और आरोपी दिनेश उर्फ गंजा संजय कॉलोनी फरीदाबाद, आरोपी संदीप गांव महेशपुर पलवल, आरोपी आरिफ गांव मामलिका नहूं, आरोपी मुस्तफा गांव जमालगढ़ नहूं तथा आरोपी सोनू गांव मंडावर सोहना का रहने वाला है। अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से आरोपी बबलू,संदीप और दिनेश को थाना सेंटर की टीम की मदद से सेंट्रल थाना के चोरी के मुकदमे में सेक्टर 12 फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है तथा आरोपी सोनू को गुरुग्राम जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है।

आरोपियों द्वारा पूछताछ के दौरान फरीदाबाद की सेक्टर 12 मॉल, टाउन पार्क, वर्ल्ड स्टील मॉल, बीके हॉसपिटल, जाजरू वाटिका, सेक्टर 58,एनआईटी मॉल, रोज गार्डन, कोतवाली तथा पलवल व गुडग़ांव से जनवरी- फरवरी माह में करीब 35-40 मोटरसाइकिल चोरी करने की वारदातों का खुलसा हुआ है। आरोपियो से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चोरी की मोटरसाइकिलों को आरोपी आरिफ कबाडी तथा अन्य एक आरोपी कबाडी को बेच देते हैं। एक चोरी की मोटरसाइकिल क्र15 आरोपियों ने जमालगढ़ के मुस्तफा को बेची थी। आरोपी मुस्तफा को राजस्थान से गिरफ्तार कर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। आरोपी दिनेश पहले भी वाहन चोरी के मुकदमे में जेल जा चुका है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोटरसाइकिल, सहित बाइक के पुर्जे आदि बरामद किए है। आरोपी आरिफ के दूसरे गोदाम पुन्हाना से तलाशी के दौरान भी काफी सामान बरामद किया गया है। आरोपियो से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी फरीदाबाद से मोटरसाइकिल चोरी कर मेवात पहुंचा देते थे और अगले दिन ही कबाडी मोटरसाइकिल को काटकर अगले कबाडी को बेच देता था। आरोपियों को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया। अन्य मुकदमों में खुलासा के लिए आरोपियो को पुलिस प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

फरीदाबाद में यातायात के बेहतर संचालन और सुधार के संबंध में डीसीपी ट्रैफिक ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त यातायात अमित यशवर्धन द्वारा अपने कार्यालय में ट्रैफिक एसीपी, एसएचओं, सभी ज़ोनल पुलिस अधिकारी, ट्रैफिक़ इंस्पेक्टर तथा सभी चालान शाखा प्रभारी प्रभारियों के साथ मीटिंग का आयोजन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। डीसीपी ट्रैफिक द्वारा यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और नागरिकों की सुविधा को मद्देनजऱ रखते हुए आवश्यक निर्देश देते हुए बताया कि सभी चालान पुलिस अधिकारी अपने अपने एरिया में सुगम यातायात संचालन में आ रही बाधाओं एवं समस्याओं की समीक्षा करें तथा उनका समाधान निकाल कर साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार करें।

इसके साथ साथ बताया कि सभी चालान अधिकारी, ट्रैफिक़ इंस्पेक्टर अपने अपने एरिया में आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए जागरूकता अभियान चलायें। उन्होने बताया कि सडक़ दुर्घटनाओं को संज्ञान में लेते हुए कहा कि सभी यातायात अधिकारी दुर्घटना के कारणों की पहचान करके तुरंत उपचारात्मक क़दम उठाएँ एवं इसकी साप्ताहिक रिपोर्ट कार्यालय में भेजना सुनिश्चित करें ताकि सडक़ दुर्घटनाओं के कारणों की पहचान करके उसमें सुधार किया जा सके तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा को मद्देनजऱ रखते हुए सभी चालान अधिकारी सुरक्षित वाहन पॉलिसी के अंतर्गत मोटर वाहन अधिनियम के तहत सभी 21 मानकों को ध्यान में रखते हुए स्कूल बस एवं स्कूल कैब इत्यादि की चेकिंग करना सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक जोन के स्कूल / कॉलेज क्षेत्र में अंडर एज ड्राइविंग करने वाले युवाओं एवं बच्चों पर विशेष नजऱ रखते हुए कार्रवाई करना सुनिश्चित करें ताकि सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके । ट्रैफिक पुलिस सोशल मीडिया पर प्राप्त होने वाली शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए बताया कि सभी ज़ोनल अधिकारी एवं पुलिसकर्मी इन शिकायतों को चिन्हित करते हुए उन पर तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करें ताकि यातायात उल्लंघनों में तुरंत प्रभाव से कमी लाकर नागरिकों को जल्द से जल्द ट्रैफिक़ संबंधी सुविधाएँ प्रदान किए जा सकें। शहरवासियों एवं महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए ऑटो में यूनिक पहचान नंबर प्लेट लगवाने का कार्य जारी है परंतु अभी तक कुछ ऑटो मालिकों द्वारा प्लेट नहीं लगवाई गई हैं जिसको मद्देनजऱ रखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे ऑटो मालिक जल्द से जल्द यूनिक पहचान नंबर प्लेट लगवाना सुनिश्चित करें अन्यथा उनके ख़िलाफ़ विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की जाएगी।

साइबर अपराध, सड़क सुरक्षा, नशाखोरी जैसे सामाजिक मुद्दों के बारे में प्रदान की जानकारी

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। डीसीपी एनआईटी अमित यशवर्धन के दिशा निर्देश के तहत महिला थाना एनआईटी प्रभारी इंस्पेक्टर सविता व दुर्गा शक्ति की टीम ने केएल मेहता कॉलेज में छात्राओं को जागरुकता वेन के माध्यम से महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, सडक़ सुरक्षा संबंधित सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरुक करते हुए जानकारी प्रदान की। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि छात्राओं को जागरूक करने के लिए महिला थाना एनआईटी की टीम कॉलेज पहुंची जहां पर कॉलेज प्रशासन ने पुलिस टीम का भव्य स्वागत किया और छात्रों को जागरूक करने के लिए मंच पर आमंत्रित किया। महिला थाना प्रभारी ने वहां पर मौजूद छात्राओं तथा शिक्षकों को महिला विरुद्ध अपराध के बारे में जागरूक करते हुए डायल 112 पर रजिस्ट्रेशन करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जो छात्राएं देर शाम तक शिक्षण संस्थानों में कोचिंग के लिए जाती हैं या किसी अन्य कम से बाहर जाती हैं और उन्हें लौटने में देर हो जाती है तो वह पुलिस की सहायता ले सकती हैं और डायल 112 पर रजिस्ट्रेशन करके पुलिस को अपनी लोकेशन भेज सकती हैं जिससे उन्हें ट्रैक करने में आसानी रहती है। पुलिस द्वारा ऑटो चालकों को भी ट्रैक करने का तरीका अपनाया गया है जिसमें ऑटो चालकों को एक यूनिक नंबर दिया जाएगा और ऑटो चालकों को उनका नाम, मोबाइल नंबर, ऑटो मलिक का नाम, पता सही सारी जानकारी ऑटो के अंदर सामने वाली साइड लगानी अनिवार्य की जाएगी ताकि जो भी महिला उसमें यात्रा करे वह इसकी फोटो खींचकर डायल 112 पर भेज दें। इस प्रकार जो महिला उसे ऑटो में यात्रा करेगी उस महिला और ऑटो चालक दोनों की जानकारी पुलिस के पास होगी जिससे ऑटो चालक को आसानी से ट्रैक किया जा सकेगा।

पुलिस के इस प्रयास से ऑटो चालकों में भी पुलिस डर रहेगा और वह किसी प्रकार की आपराधिक वारदात को अंजाम देने की कोशिश नहीं करेंगे। इसके अलावा पुलिस टीम ने छात्रों को साइबर अपराध से बचने के लिए अपना बैंक खाता, क्रेडिट या डेबिट कार्ड की कोई जानकारी किसी के साथ साझा न करने की हिदायत दी।

पुलिस द्वारा दुर्गा शक्ति एप छात्राओं के मोबाइल में डाउनलोड करवाया गया और इसके बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही पुलिसकर्मियों ने दुर्गा शक्ति एप के बारे में छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया कि यदि आपको कहीं पर भी महिला विरुद्ध अपराध घटित होता दिखाई दे तो वह इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस द्वारा इस प्रकार के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद-पलवल में महिला अपराधों के आंकड़ चौकाने वाले : गोस्वामी

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। क्राईम अगेंस्ट वूमैन और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ पर अब तक हुए सरकार के कार्यो पर बड़ा खुलासा शहर के युवा अनशनकारी समाजसेवी अभिषेक गोस्वामी ने इण्डस्ट्रीयल एरिया स्थित होटल श्रीजी में एक प्रैस वार्ता कर किया। इस प्रैस वार्ता में अनशनकारी बाबा रामकेवल, आरटीआई एक्टिविस्ट लाखन सिंह, समाजसेवी प्रीतपाल सिंह और अमृतलाल ने मौजूद रहे। अभिषेक गोस्वामी ने प्रेसवार्ता में देश में महिलाओं की गुमसुदगी, दहेज उत्पीडऩ, घरेलू हिंसा, बलात्कार जैसे संवेदनसील मुद्दों को लेकर आवाज उठाई गई। जिसमें लगातार देश में हो रही लापता लड़कियों और महिलाओं का लिखित आंकड़ा आरटीआई और नेशनल क्राईम रिकार्ड ब्यूरो(एनसीआरबी) की रिपोर्ट के आधार पर बताया गया। अभिषेक गोस्वामी ने देश के साथ-साथ अपने फरीदाबाद और पलवल क्षेत्र मे लगातार लापता महिलाओं के आंकड़ों को प्रस्तुत किया। ये सभी आंकड़े बेहद डराने और चौंकाने वाले है। आरटीआई के तहत बताया गया कि फरीदाबाद पुलिस पर क्राइम अगेंस्ट वूमैन पर डाली गई आरटीआई का पुलिस द्वारा जबाब न देना अन्य शहरों की अपेक्षा फरीदाबाद में महिलाओं की गुमशुदगी की अत्यंत भयावय स्थिति की ओर इशारा करता है जिसे सरकार और पुलिस प्रशासन छुपाना चाहती है। वही दूसरी ओर पलवल पुलिस में डाली गई आरटीआईसे पता चला कि हर 2 दिन में 3 लड़कियां गांव और शहर से गायब हो रही है जोकि बेहद डराने वाला दृश्य है। पलवल में पिछले 3 साल में 1350 लड़कियां और महिलाएं गायब है जिनमे से मात्र 561 ही बरामद हुई है। हथीन मे 111 महिलाओं के लापता होने की डिटेल है। साथ ही पलवल महिला थानों में दहेज उत्पीडऩ के 2431 में से 2064 का निपटान थाने में ही हो जाना कही न कही महिलाओं पर दबाव डालकर किया गया निपटान जाहिर करता है। साथ ही गदपुरी थाना प्रभारी द्वारा झूठी जानकारी आरटीआई में देने पर पलवल एसपी द्वारा सरकारी सेवाशर्तो के अनुरूप काम न करने पर कोई कार्यवाही न करना भी पुलिस के ढीले-ढाले रवैये को दर्शाता है। 2019-21 तक में केंद्रीय ग्रह मंत्रालय द्वारा संसद में 13.13 लाख से अधिक महिलाओं और लड़कियों की देश में गुमशुदगी की जानकारी दी गयी है। एनसीआरबी के रिकॉर्ड अनुसार बिहार में 14896, कर्नाटक-14201, हरियाणा-12622, यूपी-12249, दिल्ली-29676, तमिलनाडू-23964, छत्तीसगढ़-22126, तेलंगाना-15828, गुजरात-15221 महिलाएं देशभर से लगातार लापता हो रही है। अनशनकारी बाबा राम केवल का कहना है कि ये सभी जानकारियां क्राइम अगेंस्ट वीमेन पर जीरो टॉलरेन्स की सरकार और पुलिस प्रशासन की नीतियों पर एक काला धब्बा और नेताओ द्वारा जनता से वोट लेने के लिए एक छलावा नजर आता है क्योंकि वास्तविकता भूतल से कोसों दूर है। ये सभी आंकड़े सरकार की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर साफ दिखाते है। बाबा रामकेवल ने कहा कि हरियाणा सरकार को पीपीपी(पुलिस-पर्बलिक और प्रैस) के माध्यम से समस्याओं का हल निकालना चाहिए। ताकि अचानक गुस्साए में लिए फैसले सूझबूझ से निपटा जा सकें और पारदर्शिता बनी रहे और लोगों को न्याय भी जाए। प्रीतपाल सिंह का कहना है कि देश में नाबालिग बर्चचियों की गुमशुदगी 251430 है और वयस्क महिलाओं की गुमशुदगी 1064648 है जोकि एक बड़ा आंकड़ा है और कही न कही ह्यूमन ट्रैफकिंग की ओर इशारा करता है। एक्टिविस्ट लाखन सिंह का स्पष्ट कहना है कि सच्चाई देश से छुपाई जा रही है क्योंकि महिलाओं के प्रति ज्यादातर क्राइम की संख्या बीजेपी शासित राज्यों में है जिसमें यूपी प्रथम है और उसी राह पर हरियाणा के स्मार्ट सिटी फरीदाबाद, पलवल, गुडग़ांव अग्रसर है जिन्हें खट्टर सरकार और पुलिस आम जनता से दोनों छुपाना चाह रहे है क्योकि सरकार का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसा स्लोगन धूमिल होता है।

क्षेत्र के विकास के लिए जो राव साहब ने ठाना है उन कार्यों को करके दिखाया है : राजेंद्र यादव

समाचार गेट ब्यूरो

गुरुग्राम। केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह के प्रयासों से दक्षिण हरियाणा में चहुमुंखी विकास हो रहा है। क्षेत्र के विकास के लिए जो राव साहब ने ठाना है उन कार्यों को अमलीजामा पहनाया है। इसी के तहत भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुरूग्राम शहर के रेलवे स्टेशन की कायापलट करने के लिए चुनकर गुरूग्राम को बड़ा तोहफा दिया है। जिस पर करीब 300 करोड रुपए खर्च किए जाएंगे। गुरुग्राम रेलवे स्टेशन अपग्रेडेशन के बाद विश्व स्तर की सुविधा विकसित होंगे। यह बात आज ब्लॉक समिति मेम्बर राजेंद्र यादव ने व्यक्त किये।

उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षो से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में रेलवे विकास को नई गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस सोच को बदलते हुए देश मे रेलवे के विकास को समान रूप से आगे बढ़ाया है। आज हरियाणा में 20 हजार करोड़ रेलवे परियोजनाओं पर काम चल रहा है। वहीं राजेंद्र यादव ने कहा कि गत दिनों केन्द्रीय मंत्री एंव दक्षिण हरियाणा के सच्चे हितेशी राव इन्द्रजीत सिंह के अथक प्रयासों से दक्षिण हरियाणा की जनता को 22वें एम्स की सौगात मिली है। जिसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केन्द्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत के प्रयासों की प्रंशसा करते हुए उनकी पीठ को थपथपाया जो दक्षिण हरियाणा के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि एम्स बनने से इस क्षेत्र के लोगों को इलाज कराने में सुविधाएं मिलेगी। माजरा एम्स में जहां लोगों का इलाज किया जाएगा वही 100 सीट का मेडिकल कालेज, नर्सिंग कालेज व 25 सुपर स्पेशलिटी डिपार्टमेंट्स की ओपीडी लगेगी और ये एम्स 210 एकड में बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सही मायने में दक्षिण हरियाणा के विकास व यहा के लोगों को आधुनिक सुविधाएं मिले इसके बारे में किसी नेता ने ईमानदारी से प्रयास किये है तो वह केन्द्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह है। जिन्होंने इस क्षेत्र से जुडी हर समस्यां व हर मांग को प्रमुखता के साथ उठाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रखी गई एम्स की नींव भी राव इन्द्रजीत सिंह की ही मेहनत का परिणाम है जो पिछले कई सालों से इस एम्स को बनवाने की मांग उठाते आ रहे है।

सीएम कप खेल प्रतियोगिता स्थगित, शीघ्र जारी होगा नया शेड्यूल : रामनिवास

समाचार गेट ब्यूरो

गुरुग्राम। हरियाणा सीएम कप की खेल प्रतियोगिताएं आगामी आदेशों तक स्थगित कर दी गई हैं। जल्दी ही इन खेलों का अगला शेड्यूल जारी किया जाएगा। जिला खेल अधिकारी रामनिवास ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आगामी आदेशों तक हरियाणा सीएम कप की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन स्थगित कर दिया गया है। यह प्रतियोगिता 28 फरवरी से शुरू की जानी थी। अभी इनकी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बंद नहीं की गई है। जो टीमें अपना पंजीकरण करवा चुकी हैं, उनको प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रेशन खेल विभाग की व ेबसाइट हरियाणास्पोर्टस.जीओवी.इन सीएम कप-2024 पर जारी रहेगा। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाओं के कारण सीएम कप प्रतियोगिता स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। इस बारे में सूचना आज खेल विभाग निदेशक व विभागीय अधिकारियों की आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में दी गई।

सरपंच द्वारा सत्यनारायण कथा के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन

समाचार गेट ब्यूरो

पलवल। जिले के गांव दुधौला में मौजूदा सरपंच द्वारा सत्यनारायण कथा के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें दूधौला के अलावा आसपास के हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सभी दलों के नेताओं ने भी अपनी उपस्तिथि दर्ज कराई। दुधौला गांव के भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे गणमान्य लोगों ने आयोजक सुनील सरपंच और उनके परिवार को इस आयोजन की बधाई देते हुए कहा की आज जो पुनीत कार्य सुनील सरपंच ने किया हैं वो सराहनीय काम है एक तरफ जहां रामायण पाठ और सत्यनारायण कथा का आयोजन कर परमात्मा का स्मरण किया है वहीँ इलाके की सरकारी का भी मुंह मीठा कराया है इसके लिए उनका पूरा परिवार बधाई का पात्र है। वक्ताओं ने कहा की सभी माता पिता के लिए सबसे अच्छा पल वो होता है जब उनकी संतान पुण्य का कार्य कर उनका नाम रोशन करती है आज वोही काम सुनील सरपंच ने किया है। गौरतलब है की गांव दुधौला निवासी गंगाराम शास्त्री और उनके सुपुत्र दुधौला के सरपंच सुनील ने अखंड रामायण पाठ और सत्यनारायण कथा के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया जिसमें ग्रामीणों के अलावा आसपास के हजारों लोगों के अतिरिक्त पलवल व फरीदाबाद की राजनैतिक और सामाजिक हसतियों ने प्रसाद ग्रहण कर आयोजक परिवार को बधाई दी।

वरिष्ठ वकील ने नए वकीलों को बांटी कानून की किताबें

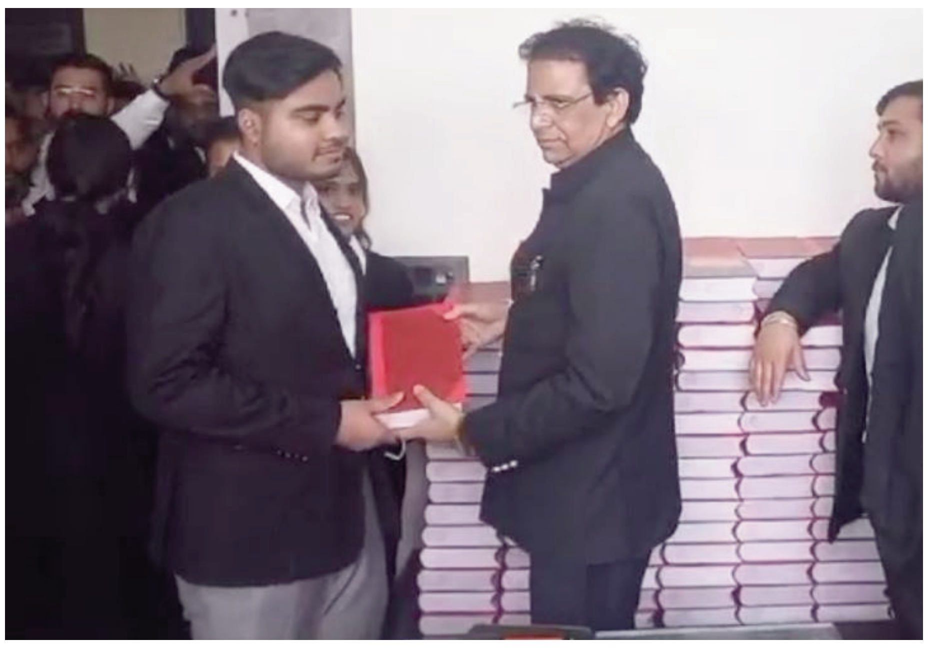

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। फरीदाबाद की जिला अदालत के चैम्बर बिलडिंग में वरिष्ठ वकील एल.एन. पाराशर ने अधिवक्ता बने नए युवा वकीलों को कानून से सम्बंधित किताबों को बांटा और उनके उज्जवल भविस्य की कामना की। वरिष्ठ वकील एल एन पाराशर ने कहा की नए आये वकीलों को सभी कानूनों का पता नहीं होता जब भी किसी धारा में कोई संसोधन होता है तो वो अनजान होते हैं जिसके लिए नए युवा वकीलों को जागरूक करने और कानून की किताबों से सहायता पहुँचाने के लिए वो यही काम करते आ रहे हैं। वहीँ युवा वकीलों से बात की गई तो उन्होंने बताया की ऐसी पहल कहीं पर भी किस के द्वारा नहीं की गई है सिर्फ फरीदाबाद के वरिष्ठ वकील एल एन पाराशर ही इस काम को करते है जिससे नए वकीलों को आ रही दिक्कतों को वो कानूनी किताब वितरित करके हल करते हैं। ये एक अच्छी बात है ये अबकी बार 21वीं बार किताबो का वितरण कर रहे हैं।

पार्क डिस्कवरी आरडब्लूए के प्रधान बने जवाहर सिंह डागर

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर 80 स्थित पार्क डिस्कवरी की आरडब्लूए का हरियाणा सोसाइटी एक्ट 2012 के अन्तर्गत गठन संपन्न हुआ जिसमे जवाहर सिंह डागर प्रधान, नितिन शर्मा उप प्रधान, हरमीत सिंह सैनी महासचिव, नीरज भुगरा ट्रेजर, प्रियंका सिंह संयुक्त सचिव व केशव भारद्वाज, निर्मल कुमार फ़ंगरिया, राजीव बिश्वकर्मा, सचिन गुगलानी, प्रीतिमा सिंह, पिकेंदर शर्मा, राहुल धींगड़ा, रंजन मौंड़ीवाल, सुनील कुमार अग्रवाल, सरबजीत सिंह व नरेंद्र बंसल एग्जीक्यूटिव सदस्य सर्वसम्मति से मनोनीत हुए। इस मौके पर जवाहर सिंह डागर के नेतृत्व में गठित आरडब्लूए की टीम ने सोसाइटी के निवासियों के हितों की रक्षा के लिए संकल्प लिया।

सांई राम आसरा ट्रस्ट ने वितरित की मूर्ती

समाचार गेट ब्यूरो

बल्लभगढ़। बल्लभगढ़ शहर की भाटिया कॉलोनी में सांई राम आसरा ट्रस्ट की ओर से स्थानीय निवासियों को सांई मूर्ति वितरित की गईं। सांई राम आसरा ट्रस्ट की अध्यक्ष एडवोकेट राखी चौहान ने बताया कि पिछले दिनों ट्रस्ट की पदाधिकारियों का दल शिरडी में सांई दर्शन के लिए गया था। वहां से वापिस लौटते समय सांई मूर्ति लेकर आए। जिनके लिए ट्रस्ट के कार्यालय पर हवन यज्ञ किया गया। इसके बाद पश्चात सभी को मूर्ति वितरित की गईं। इस अवसर पर एडवोकेट बृजमोहन वशिष्ठ, सरोज, सुमन, राजकुमारी, संदीपनी माहेश्वरी, संजय चौहान, अर्चना चौहान, लोकेश, अनिता आदि मौजूद रहे।

हाफ मैराथन में रजिस्ट्रेशन करने के लिए बड़ी संख्या में लोग हो रहे हैं शामिल 40 हजार लोगों ने किया रजिस्ट्रेशन : डीसी विक्रम सिंह

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि विश्व और देश में महानगरों फरीदाबाद में 3 मार्च को होने वाली फरीदाबाद हाफ मैराथन में शहर के लोगों का हौसला बढ़ाने के लिए बड़े खेल में फिल्मी सितारे भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि ओलंपियन बॉक्सर मैरी कॉम व मनु भाकर सहित कई अन्य नामी ग्रामीण खिलाड़ी इसमें शामिल होंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल फरीदाबाद मैराथॉन को हरी झंडी देंगे तथा मुख्य अतिथि के तौर पर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन कर इतना विवरण करेंगे।

जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि मैरी कोम, मनु भांकर, लोकेश राजपूत के आलावा बहुत से फिल्मी कलाकार भी फरीदाबाद हाफ मैराथॉन में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि विश्व में महानगरों की तर्ज़ पर देश के दिल्ली और मुंबई जैसे देश के प्रमुख शहरों में आयोजित होने वाले ऐसे आयोजनों की तरह हॉफ औद्योगिक महानगर/औद्योगिक नगरी फरीदाबाद में हाफ मैराथॉन का एनुअल इवेंट 03 मार्च-2024 को प्रात:काल 05:30 से सूरजकुंड में आयोजित किया जाएगा और यह जिला फरीदाबाद का अब तक सबसे बड़ा इवेंट साबित होगा। फरीदाबाद हाफ मैराथन में भागीदारी के लिए एक लाख से अधिक लोगों ने फरीदाबाद हॉफ मैराथॉन डॉट कॉम पर (www.faridabad-halfmarathon.com) पर अपना पंजीकरण कराया है। उन्होंने बताया कि यह रजिस्ट्रेशन 29 फरवरी तक करवाया जा सकता है। डीसी विक्रम सिंह ने उद्योगपतियों,

पार्षदों, आरडब्लूए और स्कूलों के प्रतिनिधियों से सहयोग का आह्वान करते हुए कहा की इस हाफ मैराथन को हम सबको मिलकर वार्षिक कार्यक्रम बनाना है। जिसमें आप सबके सहयोग से फरीदाबाद निवासियों की अधिक से अधिक भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ज्यादे से ज्यादा लोगो को प्रेरित करे और मैराथन की शोभा बढ़ाए। जिला उपायुक्त विक्रम सिंह ने बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों के साथ चर्चा में कहा की लोगो को शारीरिक स्वास्थ्य की और इन कार्यक्रमों की मदद से जागरूक करने की आवश्यकता है। व्यस्त जीवन को स्वस्थ जीवन में बदलने के लिए समय निकालना चाहिए। वहीं कॉरपोरेट कर्मचारियों को भी इसमें बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने का अवसर प्रदान करें।

मैराथन मार्ग में यह होंगी व्यवस्थाएं:

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि मैराथन मार्ग पर रनर्स की सुविधा के लिए प्रत्येक दो किलोमीटर पर मेडिकल स्टेशन बनाए जाएंगे। इन स्टेशन के साथ साथ वहां पर ग्लूकोस, एनर्जी ड्रिंक्स सहित मोबाइल टॉयलेट्स की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि मैराथन मार्ग में रनर्स को किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसके लिए पूरे मार्ग पर वालंटियर की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं प्रत्येक 150 से 200 मीटर के बीच पुलिसकर्मी भी नियुक्त किए जाएंगे।

चिप युक्त बीब से रनर अपना वास्तविक रन टाइम कैलकुलेट कर सकेंगे

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि मैराथॉन के लिए पोर्टल पर 21 किलोमीटर फुल व 10 किलोमीटर की श्रेणी में आवेदन करने वाले रनर्स को रनिंग किट्स प्रदान की जाएगी। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक चिप युक्त बीब (टी शर्ट पर चिपकने वाला स्टीकर) शामिल है। उन्होंने बताया कि इस चिप युक्त बीब से रनर अपना वास्तविक रन टाइम कैलकुलेट कर सकेंगे साथ ही आयोजन के उपरांत अपने इलेक्ट्रॉनिक बीब की मदद से आयोजन से जुड़े अपने फोटो भी डाउनलोड कर सकेंगे।

यह होगी विजेताओं को सम्मानित के लिए ईनाम धन राशि:

डीसी विक्रम सिंह ने आगे बताया कि 21 किलोमीटर ओपन कैटेगरी में हॉफ मैराथन में प्रथम स्थान पर आने वाले विजेता को 1 लाख रुपये की नकद धनराशि , द्वितीय विजेता को 75 हजार, व तीसरे स्थान पर आने वाले विजेता की 50 हजार रुपये की धनराशि के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वहीं दस किलोमीटर मैराथान के प्रथम विजेता को 50 हजार, द्वितीय विजेता को 30 हजार, व तीसरे स्थान पर आने वाले विजेता की 20 हजार रुपये की धनराशि के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। डीसी ने बताया कि 5 किलोमीटर की फन मैराथॉन का आयोजन में बच्चे युवा और सीनियर सिटीजन भाग ले सकते है। एडीसी आनन्द शर्मा ने कहा की भागीदारों को एक अच्छा वातावरण मिलेगा। जिस वजह से लोग अपनी रोज मरह की जिंदगी से थोड़ा आराम ले सकेंगे। हॉफ मैराथन जनता के लिए एक दिलचस्प आउटिंग होगी, दौड़ के साथ साथ मनोरंजन व हौसला बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी रहेगा। बैठक में सीईओ जिला परिषद सतबीर मान, निवर्तमान कौसलर, कॉर्पोरेट, आरडब्लूए व स्कूलों तथा शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

09 मार्च को न्यायालय परिसर में किया जाएगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन : सीजेएम सुकिर्ती

अदालतों के मामलों के निपटारे आपसी सहमति के लिए इच्छुक जिला न्यायालयों में कर सकते हैं आवेदन

राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले के खिलाफ दायर नहीं की जा सकती ऊपरी अदालत में अपील

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। सीजेएम कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुकिर्ती गोयल ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी आदेश अनुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाई एस राठौड़ के दिशा-निर्देश पर 09 मार्च 2024 (शनिवार) को जिला न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

आपसी सहमति से होता है राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों का निवारण:

सीजेएम सुकिर्ती गोयल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद निपटाया जाता है। इससे शीघ्र,सस्ते व सुलभ न्याय लोगों को मिलता है जहां किसी पक्ष की हार नहीं होती। वहीं राष्ट्रीय लोक अदालत में केसों की सुनवाई के फैसलों की कहीं कोई अपील नहीं, अंतिम रूप से निपटारा, समय की बचत जैसे लाभ मिलते हैं।

इन केसों की भी होता है सुलह:

सुकिर्ती गोयल ने आगे बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर एक्सीडेंट, एनआई एक्ट, फौजदारी, रेवेन्यू, वैवाहिक विवाद का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आपसी सहमति से हल होने वाले मामलों में राष्ट्रीय लोक अदालत बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही हैं और राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले की भी उतनी ही अहमियत है। जितनी सामान्य अदालत में सुनाए गए फैसले की होती है। राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले के खिलाफ अपील दायर नहीं की जा सकती।

धन और समय की होती है बचत:

सीजेएम सुकिर्ती गोयल ने आगे बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लोगों का बिना समय व पैसा गवाएं केसों का समाधान किया जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालत में ना तो किसी पक्ष की हार होती है और ना ही जीत बल्कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाया जाता है। सीजेएम ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों के निपटारे के लिए इच्छुक व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय (एडीआर सेंटर) या जिला के उन न्यायालयों में आवेदन कर सकते हैं। जिस अदालत में मामला विचाराधीन है। उस अदालत में भी आवेदन किया जा सकता हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी कार्य दिवस में सुबह 09:30 बजे से सायं 05:00 बजे तक कोई भी व्यक्ति न्यायालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में संपर्क कर सकता है। लोक अदालत के आयोजन तक जिला न्यायालय परिसर के मुख्य गेट के अंदर हेल्प डेस्क पर जाकर भी किसी भी तरह की कानूनी जानकारी ले सकता है।

अनुसूचित जाति के किसानों को 45 एचपी व अधिक क्षमता के ट्रैक्टर पर मिलेगा एक लाख रुपये का अनुदान : डीसी विक्रम सिंह

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की ओर से अनुसूचित जाति के किसानों को 45 एचपी व अधिक क्षमता के ट्रैक्टर पर 1 लाख का अनुदान दिया जा रहा है, जिसके लिए किसान 26 फरवरी से 11 मार्च तक विभागीय पोर्टल agriharyana.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। डीसी विक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि लाभार्थी का चयन गठित जिला स्तरीय कार्यकारी कमेटी (डीएलईसी) द्वारा ऑनलाइन ड्रा के माध्यम से किया जायेगा चयन उपरान्त चयनित किसान को सूचीबद्ध अनुमोदित निर्माताओं-डीलर से अपनी पसंद का ट्रेक्टर मॉडल तथा मोल भाव करके केवल बैंक के माध्यम से अपने हिस्से (अनुदान राशि को छोड़कर) की कीमत निर्माता-अनुमोदित डिस्ट्रीब्यूटर के खाते में (पोर्टल के साथ ई-वाउचर) जमा करवानी होगी। निर्माता डिस्ट्रीब्यूटर को किसान का विवरण, बैंक विवरण, ट्रेक्टर मॉडल, कीमत का निदेशालय के पोर्टल या ई-मेल के माध्यम अनुसार अनुदान ई-वाउचर के लिए प्रार्थना करनी होगी। पीएमयू तथा बैंक द्वारा जाँच उपरांत डिजिटल ई-वाउचर से अधिकृत निर्माता-अनुमोदित डिस्ट्रीब्यूटर को जारी किया जाएगा अनुदान ई- वाउचर के प्राप्त होने के तुरंत बाद किसान को पसंद किया हुआ ट्रैक्टर के साथ बिल, बीमा, टेम्परेरी नंबर तथा बिल, बीमा तथा आरसी के अप्लाई फीस रसीद आदि दस्तावेज विभागीय पोर्टल पर अपलोड करने होंगे। सहायक कृषि अभियंता विजय कुमार ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यकारी कमेटी (डीएलईसी) को ट्रैक्टर सभी मूल दस्तावेज सहित भौतिक सत्यापन के लिए प्रस्तुत करना होगा। कमेटी सभी दस्तावेजों को चेक करने उपरांत भौतिक सत्यापन रिपोर्ट फॉर्म के माथ पोर्टल पर अपलोड करेगी तथा निदेशालय को सूचना देगी निदेशालय स्तर पर जांच के बाद अन्दान ई-वाउचर के माध्यम से अनुदान राशि निर्माता को जारी करेगा उन्होंने बताया कि किसान अधिक जानकारी के लिए उप निदेशक जिला कृषि एवं किसान कल्याण विभाग व सहायक कृषि अभियंता के कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है।

साइबर थाना बल्लबगढ़ की टीम ने सेक्टर सेक्टर-8 मार्किट में आमजन को साइबर फ्रॉड, महिला विरुद्ध अपराध के प्रति जानकारी देकर किया जागरुक

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर राकेश कुमार आर्य के दिशा निर्देश व डीसीपी साइबर जसलीन कौर के मार्गदर्शन में साइबर थाना प्रबंधक बल्लबगढ़ प्रभारी इंस्पेक्टर जितेन्द्र की टीम ने सेक्टर-8 मार्किट में आम जनता बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं को साइबर फ्रॉड से बचाव और महिला सुरक्षा के संबंध में जानकारी देते हुए जागरूक किया। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि साइबर फ्रॉड मामले में देखा गया है कि आरोपी पीडितो को कुछ मिनट में ही लोन देने के लिए, घर बैठे लोन उपलब्ध करवाने का लालच देती हैं और फर्जी ऐप डाउनलोड करता दे, क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढवाने के नाम पर, घर बैठे कमाने का लालच, फ्री गिफ्ट, लॉटरी लगना के नाम पर,वाउचर जीतने के नाम पर,चह्नष्ट के नाम पर, बैंक कर्मी बनकर, विदेश भेजने के नाम पर,जाब दिलाने के नाम पर,अश्र्लील वीडियो कॉल रिकॉर्ड से ब्लैकमेल कर,एईपीएस इत्यादी के नाम पर लोगो के साथ साइबर फ्रॉड किया जाता है।

साइबर ठगी से बचाव-

अगर किसी के पास कोई अज्ञात नम्बर से कॉल आती है तो उसको अपनी जैसे बैंक खाते,पैन, आधारकार्ड, की गोपनीय जानकारी ना दे। अगर किसी भी विभाग से कॉल आए तो पीडित को तुरंत सरकारी नम्बर से सम्पर्क कर जानकारी लेनी चाहिए। किसी भी विदेशी नम्बर से कॉल आए तो नजरअंदाज करे। व्हाट्सएप पर अनजान नम्बर से विडियो कॉल/कॉल आने पर नजरअंदाज करें। किसी की बहकावे में ना आए क्योकि यूट्यूब चैनल को लाइक और सब्सक्राइब करने पर पैसे नही

मिलते। इस तरह के मेसेज भेजने वालो के नम्बर को ब्लैक लिस्ट में डाले। और 1930 पर उनकी रिपोर्टिंग करें। अगर आप से कोई आपकी डिटेल मांगे तो समझ लेना कि यह ठग का ही जाल है और आप शिकार है।

महिला विरुद्ध अपराध-

साइबर टीम ने बताया कि महिला सुरक्षा पर उनके अधिकारों के लिए पुलिस प्रशासन ने कड़े सुरक्षा प्रबंध किए हुए हैं। साथ ही महिलाओं को अपने हौसले को कम न देने की सलाह दी है। उन्होंने महिला हेल्पलाइन नंबर को कंठस्थ करने व अपने पास सुरक्षित रखने का आवाहन भी किया है।

डायल 112 ऐप-

पुलिस के द्वारा डायल 112 की गाड़ियां चलाई जा रही है। जोकि फरीदाबाद में हर पुलिस थाना के अंतर्गत पड़ने वाले एरिया में हमेशा मौजूद रहती हैं। अगर हमें किसी भी प्रकार की असुरक्षा महसूस होती है तो हम अपने फोन से 112 पर सूचना देकर पुलिस की मदद ले सकते हैं। फोन करने के पश्चात 05 से 10 मिनट में आपको पुलिस की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। संजय कुमार ने बताया की डायल 112 की गाड़ी में फर्स्ट एड किट भी मौजूद रहती है किसी की घायल व्यक्ति का प्राथमिक उपचार किया जा सकता है।

संपादकीय

बीएसपी का भविष्य

BSP सांसद रितेश पांडेय ने रविवार को पार्टी से इस्तीफा देकर BJP में शामिल होने की घोषणा की। बड़ी बात यह है कि वह अकेले नहीं हैं। पार्टी के कई सांसदों के बारे में ऐसी खबरें आ रही हैं कि उनकी निष्ठा बदल चुकी है। हालांकि जब तक औपचारिक घोषणा न हो जाए तब तक ऐसी अटकलों को ज्यादा अहमियत नहीं दी जाती। मगर BSP चीफ मायावती ने खुद यह कहकर इन खबरों को कुछ हद तक प्रामाणिकता दे दी है कि अपना हित साधने में लगे ऐसे सांसदों को पार्टी टिकट दे भी तो क्यों।

गिरता ग्राफ : हाल के चुनावों में BSP का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है। इसने पार्टी के भविष्य से जुड़ी चिंताओं को मजबूती दी है। 2014 लोकसभा चुनाव में BSP को एक भी सीट नहीं मिली थी। 2019 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के साथ गठबंधन में उसने 10 सीटें जीतीं, लेकिन नतीजे आने के ठीक बाद पार्टी ने गठबंधन तोड़ने की घोषणा कर दी। 2022 विधानसभा चुनाव में पार्टी अकेले लड़ी और सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल कर पाई। उसका वोट शेयर भी गिरकर 12 फीसदी पर आ गया, जबकि 2014 में एक भी सीट हासिल न करने के बावजूद उसे 19.77 फीसदी वोट मिले थे।

गठबंधन से दूरी : BSP समर्थकों में सबसे ज्यादा चिंता पार्टी नेतृत्व की गठबंधनों से दूरी रखने की घोषणा से है। गौर करने की बात है कि BSP हमेशा किसी न किसी गठबंधन के जरिए ही सत्ता तक पहुंची है। एकमात्र अपवाद 2007 के विधानसभा चुनाव रहे जिसमें पार्टी ने बहुजन हिताय की जगह सर्वजन हिताय को चुनावी मंत्र बनाया था। अपने मुख्य समर्थक वर्ग के साथ ही किसी और तबके को साथ लेकर ही वह चुनावी जीत को साध पाती है। ऐसे में मौजूदा पॉलिसी पार्टी के बाहर ही नहीं, अंदर भी कई तरह के सवाल और संदेह पैदा कर रही है।

उत्तराधिकार का सवाल : BSP चीफ ने औपचारिक तौर पर ऐसी घोषणा भले न की हो, पार्टी में यह साफ कर दिया है कि उनके भतीजे आकाश आनंद ही उनके उत्तराधिकारी होंगे। बहुजन समाज के हितों को समर्पित मानी जाने वाली इस पार्टी के समर्थकों के लिए यह कथित परिवारवादी रुझान एक नई चीज है और कहा जा रहा है कि उनके लिए इसे पचाना आसान नहीं होगा।

चुनाव नतीजों का इंतजार : वैसे किसी नेता या राजनीतिक दल की भूमिका या उसके सफर का भविष्य एकाध फैसलों या कुछेक चुनाव परिणामों से नहीं तय किया जा सकता। आज भी BSP कुछ राज्यों में दलित समूहों के बीच सबसे प्रभावी उपस्थिति रखती है। यही नहीं, अपने लंबे राजनीतिक करियर में मायावती अपने समर्थकों को ही नहीं, विरोधियों को भी चौंकाती रही हैं। लेकिन इस बार वह ऐसा कुछ कर पाती हैं या नहीं, इसका जवाब पाने के लिए लोकसभा चुनाव के नतीजों का इंतजार करना होगा।

क्रैक : जीतेगा तो जिएगा की कहानी का रिव्यू

समाचार गेट/भावना कौशिश

मुंबई। एक्टर विद्युत जामवाल ने एक्शन हीरो के रूप में इंडस्ट्री में अपना एक मुकाम बनाया है। हर फिल्म के साथ वे अपनी उसी इमेज को और मजबूत करने की कोशिश करते हुए दिखते हैं। ऐसा ही कुछ वह अपनी नई फिल्म क्रैक: जीतेगा तो जिएगा में भी कर रहे हैं। दिक्कत यह है कि सारा जोर एक्शन पर देने के चक्कर में वो कहानी पर ध्यान देना भूल गए हैं। फिल्म में यूं तो नायक का कोड नेम क्रैक (खिसका हुआ) है, लेकिन असल में इस कहानी में ही काफी सारे क्रैक (झोल) हैं।

क्रैक: जीतेगा तो जिएगा की कहानी

कहानी मुंबई में साधारण परिवार में जन्मे सिद्धार्थ दीक्षित उर्फ सिद्धू (विद्युत जामवाल) की है, जो पहले ही सीन में ट्रेन से बाहर लटककर, उसके ऊपर चढ़कर डेयरडेविल स्टंट करते हुए एंट्री मारता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि विद्युत के जम्मवालियंस (फैन क्लब), जिन्हें यह फिल्म समर्पित की गई है, इसकी नकल नहीं करेंगे। सिद्धू के पिता उसकी इस स्टंटबाजी के परेशान हैं, क्योंकि इसी के कारण वह अपने बड़े बेटे निहाल (अंकित मोहन) को खो चुके हैं। लेकिन सिद्धू का सपना पोलैंड में होने वाले एक्स्ट्रीम स्पोर्ट मुकाबले मैदान में भाग लेकर उसे जीतना चाहता है, क्योंकि यही उसके भाई निहाल का भी सपना था।

खास बात यह है कि इस मैदान में स्टंटबाजी का कोई साधारण मुकाबला नहीं होता, बल्कि हर पारी में आगे बढ़ने के लिए आपको जान की बाजी लगानी पड़ती है। निहाल भी इसी खेल में अपनी जान गंवा देता है। इसलिए, सिद्धार्थ उसके सपने को सच करने मैदान पहुंच जाता है। यहां उसका सामना होता है, शो रनर देव (अर्जुन रामपाल) से और दुनियाभर से चुने गए स्टंटबाजों के बीच शुरू होता है मैदान का खूनी खेल। अब इस मैदान का विजेता कौन बनेगा? इस बारे में आपको ज्यादा दिमाग लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और यही प्रिडिक्टिबिलिटी फिल्म एक और बड़ी कमजोरी है।

क्रैक: जीतेगा तो जिएगा मूवी रिव्यू

वैसे तो राइटर्स ने कहानी में एक्शन के साथ-साथ भाई को खोने का इमोशन, सिद्धू का सोशल मीडिया इंफ्लूएंशर आलिया (नोरा फतेही) के साथ रोमांस, प्लूटोनियम और न्यूक्लियर बम के साइड ट्रैक वाला रोमांच, सब डालने की कोशिश की है, पर सब कुछ काफी सतही तरीके से लिखा गया है। डायलॉग तो ऐसे हैं कि इंसान सिर पीट ले। कई डबल मीनिंग डायलॉग्स मन खराब कर देते हैं। इनमें से कुछ इतने घिसे-पिटे हैं कि एक्टर के बोलने से पहले आप खुद पूरा कर दें।

यही नहीं, मैदान के खेल के जो नियम हैं, वे भी अनूठे या अनदेखे नहीं लगते। कभी यह चर्चित कोरियन सीरीज स्क्विड गेम का सस्ता वर्जन लगता है, तो कभी खतरों के खिलाड़ी का अपग्रेडेड वर्जन। फिर भी, एक्शन फिल्म का अकेला दमदार पक्ष है। एक्शन कोरियोग्राफर केरी ग्रेग ने फिल्म में कुछ अच्छे सीक्वंस दिए हैं। विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल अपनी कसी हुई कद-काठी के कारण एक्शन सीन्स में अच्छे भी दिखते हैं।

बात करें, एक्टिंग की तो एक्शन सीन्स में विद्युत ने अपनी महारत फिर साबित की है, पर उनका टपोरी अंदाज इतना नहीं फबता। अर्जुन रामपाल ने अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाई है। पुलिस अफसर पैट्रिशिया के रोल में एमी जैक्सन अच्छी दिखती हैं, पर नोरा फतेही से एक्टिंग करवाने की कोशिश ज्यादती लगती है (स्त्रोत: समाचार एजेंसी)

अव्वल नंबर से पास हुई आर्टिकल 370, पर आगे राह मुश्किल!

समाचार गेट/भावना कौशिश

मुंबई। यामी गौतम और प्रियामणी की पॉलिटिकल ड्रामा आर्टिकल 370 फर्स्ट मंडे टेस्ट में पास हो गई है। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत तगड़ी कमाई नहीं कर रही है, लेकिन पहले वीकेंड के बाद सोमवार को फिल्म की कमाई में -44.91% की गिरावट आई है, जो सामान्य से बेहतर है। इसे ऐसे समझिए कि यदि किसी फिल्म की ओपनिंग डे की तुलना में पहले सोमवार को कमाई 45-50% गिरती है तो यह बेहतर स्थिति मानी जाती है। इसका सीधा अर्थ होता है फिल्म की स्थिति मजबूत है और वह अपनी रफ्तार से कमाई करती रहेगी। दूसरी ओर, विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल की क्रैक बेसुध है। फिल्म की कमाई में -76.47% की गरिावट दर्ज की गई है। आदित्य जांभले के डायरेक्शन में बनी आर्टिकल 370 का बजट 20 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस लिहाज से चार दिनों में ही इस फिल्म ने ना सिर्फ अपना बजट निकाल लिया है, बल्कि मुनाफा कमाने लगी है। रिपोर्ट के मुताबिक, चार दिनों में आर्टिकल 370 ने देश में 26.15 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है, जबकि वर्ल्डवाइड इसने 36 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है।

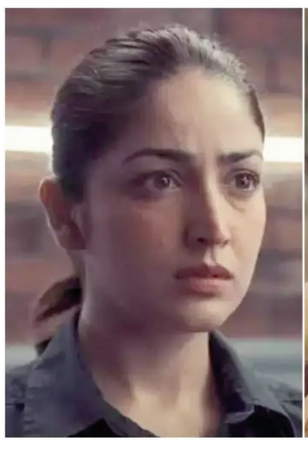

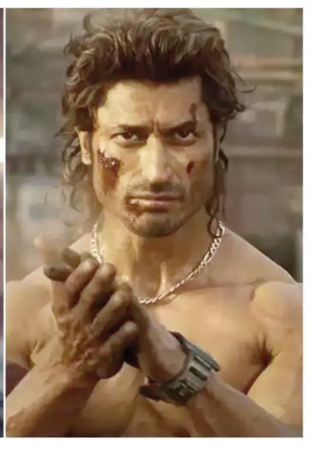

सोमवार को आर्टिकल 370 ने कमाए 3.25 करोड़

आर्टिकल 370 कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने की सरकारी मुहीम और इसकी परेशानियों पर बनी है। इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर देश में 5.90 करोड़ रुपये कमाए थे। दूसरे दिन शनिवार को फिल्म ने 7.4 करोड़ रुपये का कारोबार किया। रविवार को इसकी कमाई बढ़कर 9.60 करोड़ रुपये तक पहुंची, जबकि अब सोमवार को फिल्म ने 3.25 करोड़ रुपये का बिजनस किया है।

चार दिनों में महज 9.7 करोड़

कमा पाई है क्रैक

दूसरी ओर, शुक्रवार को ही रिलीज हुई एक्शन फिल्म क्रैक: जीतेगा तो जिएगा की हालत बहुत खराब है। विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल की इस फिल्म ने सोमवार को महज 1 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। चार दिनों में फिल्म ने देश में 9.70 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड 12.10 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। इस फिल्म का बजट 45 करोड़ रुपये है। जाहिर तौर पर यह फिल्म बुरी तरह पिट चुकी है। (स्त्रोत: समाचार एजेंसी)

मुख्यमंत्री कप-2024 विद्यार्थियों की परीक्षा के चलते आगामी आदेशों तक किया स्थगित

समाचार गेट/सतीश खतरी

भिवानी। खेल विभाग द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री कप-2024 विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा के चलते आगामी आदेशों तक स्थगित कर दिया गया है। जिला खेल अधिकारी धुरेन्द्र सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा 28 से नौ मार्च तक आयोजित होने वाला मुख्यमंत्री कप-2024 में विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षा के चलते रजिस्ट्रेशन कम हुए थे। इसलिए मुख्यमंत्री कप-2024 को आगामी आदेशों तक स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जैसे ही मुख्यमंत्री कप-2024 की तिथि घोषित होंगी तो सूचना दे दी जाएगी।

ककराला में घर से निकला व्यक्ति गायब

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना शहर थाना अंतर्गत गांव ककराला से एक व्यक्ति अक्समात गायब हो गया। इस बारे में रमेश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पुत्र राजेश कुमार,34 वर्ष जो बीती 21 फरवरी को सुबह बिना बताए घर से निकला था। सांय तक घर नहीं लौटने पर उसके संभावित ठिकानों पर तलाश की गई लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। उसका मोबाईल फोन बंद आ रहा है। पुलिस ने गुमशुदा का केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

5 माह बाद भी किसानों को नहीं मिली बाजरे की भावातंर भरपाई

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। प्रदेश सरकार की ओर से शुरू की गई भावांतर भरपाई योजना का लाभ जिले के किसानों को नहीं मिलने से वे परेशान है। किसानों ने कहा कि उनकी ओर से करीब 5 माह पूर्व 2250-2300 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरा बेचा गया था, उस दौरान खरीद एजेंसी की ओर से 250-300 रूपये भावांतर भरपाई का उनके बैंक खाते में डाले जाने का आश्वासन दिया गया था। लेकिन आज तक उनके खाते में भावांतर भरपाई का पैसा नहीं आ सका है। गुढा के किसान नरेश कुमार, धर्मपाल सिंह, बिजेंद्र यादव, सुनील कुमार, राजेश,रामबास के सतबीर सिंह,सुरेश कुमार,छितरोली के नरेंद्र कुमार, सुखबीर सिंह, सुभाष चंद ने बताया कि इस बारे में कई बार कृषि विभाग के एडीओ से संपर्क साधा गया लेकिन कोई समाधान नहीं हो सका। किसानों ने प्रदेश सरकार से भावातंर भरपाई की राशि तत्काल उनके बैंक खातों में डाले जाने की मांग की है।

अभिनेत्री लिंडा ग्रेवेट का निधन 76 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

समाचार गेट/भावना कौशिश

मुंबई। लिंडा के बेटे डेविड ग्रेवेट ने अभिनेत्री के निधन की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि उनकी मां का शुक्रवार को न्यू ब्रंसविक, न्यू जर्सी के एक अस्पताल में निधन हो गया। लिंडा ग्रेवेट ने द ओल्ड सेटलर में 1940 के दशक की हार्लेम निवासी क्विली मैकग्राथ की भूमिका के लिए 1999 में थिएटर वर्ल्ड पुरस्कार और 2004 में अपनी भूमिका के लिए ऑडेल्को पुरस्कार जीता। उन्होंने नील साइमन के 45 सेकंड्स फ्रॉम ब्रॉडवे में बेसी जेम्स की भूमिका निभाई। उनकी 2008 में जेम्स अर्ल जोन्स के साथ कैट ऑन ए हॉट टिन रूफ में किरदार निभाया।

चार साल की उम्र में की थी करियर की शुरुआत

लिंडा ग्रेवेट का जन्म 24 मई, 1947 को हार्लेम में हुआ था। उनके पिता जेम्स स्टंप क्रॉस थे, जो एक टैप डांसर और हास्य अभिनेता थे, लेकिन उनका पालन-पोषण दत्तक माता-पिता ने किया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने चार साल की उम्र में द किंग एंड आई के मूल निर्माण में ब्रॉडवे की शुरुआत की, जिसमें यूल ब्रायनर और गर्ट्रूड लॉरेंस ने अभिनय किया। जब वह नौ साल की थीं, तब उन्होंने कार्नेगी हॉल गायन में अभिनय किया। उन्होंने कैपिटल हाइट्स, मैरीलैंड में फेयरमोंट हाइट्स हाई स्कूल और उसके बाद हॉवर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ाई की, जहां उन्होंने 1971 में स्नातक होने से पहले कई शो में प्रदर्शन किया। कॉलेज में रहते हुए उन्होंने लिविंग स्टेज पर प्रदर्शन किया, जो 1966 में शुरू हुआ।

अभिनेत्री के शोज

उन्होंने रायसेन इन द सन, क्राउन्स, मिस विदरस्पून, द लिटिल फॉक्स, स्केलेटन क्रू, द हाउस दैट विल नॉट स्टैंड और 2018 में अपनी अंतिम थिएटर प्रस्तुति द रिवॉल्विंग साइकिल्स ट्रूली और न्यूयॉर्क में द ड्यूक में स्टेडीली रोल्ड में काम किया। उन्होंने कई टेलीविजन शो में भी काम किया, जिनमें सेक्स एंड द सिटी, द गुड वाइफ, 30 रॉक, एलिमेंट्री, मैडम सेक्रेटरी, रेमी, और ईस्ट न्यूयॉर्क शामिल हैं।

(स्त्रोत: समाचार एजेंसी)

जहरीला बन जाता है मक्खन, शरीर को खोखला बना कर छोड़ेगा

समाचार गेट/भावना कौशिश

नई दिल्ली। मक्खन एक हाई एनर्जी फूड है जिसमें कूट-कूटकर कैलोरी भरी होती है। यह हल्का नमकीन होता है जो फैट देता है। इसे बनाने के लिए अलग से पाम ऑयल जैसे गंदे और जहरीले तेल मिलाए जाते हैं। अक्सर इस बात पर चर्चा होती है कि मक्खन शरीर के लिए नुकसानदायक है या नहीं? क्योंकि इसमें सैचुरेटेड और ट्रांस फैट की प्रचुर मात्रा होती है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन के मुताबिक सैचुरेटेड और ट्रांस फैट वसा का नुकसानदायक रूप है। इनके सेवन से हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई ट्रिगलिसराइड्स, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, मोटापा, कैंसर, डायबिटीज जैसी खतरनाक बीमारियां जुड़ी हुई हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर इस मक्खन को कुछ चीजों पर लगाया जाए तो इसका नुकसान दोगुना हो जाता है। इसलिए अगर आप हेल्दी रहना चाहते हैं तो ऐसा करने से बचना चाहिए। आइए जानते हैं कि बाजार में मिलने वाले मक्खन को किसके साथ नहीं खाना चाहिए।

सफेद ब्रेड

मक्खन को सबसे ज्यादा सफेद ब्रेड के साथ खाया जाता है। यह एक हाई प्रोसेस्ड फूड है जो खुद हार्ट डिजीज, डायबिटीज और मोटापे का कारण है। इसके साथ मक्खन खाने से आप इन बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ा देते हैं।

पाव भाजी

पाव भाजी बेहद टेस्टी डिश है जिसमें मक्खन में तले पाव खाए जाते हैं। यही नहीं, स्वाद बढ़ाने के लिए भाजी के ऊपर अलग से भी मक्खन डाला जाता है। लेकिन सफेद ब्रेड की तरह पाव को भी मैदा से बनाया जाता है जिसके साथ इतना सारा मक्खन कई जानलेवा बीमारी पैदा कर सकता है।

इंस्टेंट नूडल्स

फास्ट फूड में इंस्टेंट नूडल्स ने अचानक से हर रसोई में जगह बना ली है। आजकल लोग इसके अंदर प्रोसेस्ड बटर डालने लगे हैं। इसमें सोडियम और हानिकारक एड्डीटिव्स की भरमार होती है जो कि पेट दर्द, इंसोमनिया, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, कैंसर से जोड़कर देखे जाते हैं। आप खुद अंदाजा लगा सकते हैं कि मक्खन और इन नूडल्स का कॉम्बिनेशन कितना जहरीला साबित हो सकता है।

बर्गर

मक्खन के साथ खाए जाने वाले फूड्स में बर्गर भी शामिल है। मक्खन के साथ बर्गर का सैचुरेटेड और ट्रांस फैट मिलकर दोगुना हो जाता है। कई सारे शोध में देखा गया है कि बर्गर का ट्रांस फैट हाइपरटेंशन, रेसपिरेटरी प्रॉब्लम, वेट गेन, कैंसर, डायबिटीज, ओरल प्रॉब्लम्स आदि का खतरा बढ़ जाता है।

सैंडविच

चाहे सैंडविच वेज हो या फिर नॉन वेज, मगर इसमें बटर की मात्रा जरूर मिलेगी। इसके साथ इसमें अतिरिक्त नमक, सफेद ब्रेड, चीज़ आदि भी हो सकते हैं। अब इतनी सारी नुकसानदायक चीजें एक साथ मिलकर आपके शरीर पर क्या असर डालेंगी, यह कोई सीक्रेट नहीं है। (स्त्रोत: समाचार एजेंसी)

विधायक सीताराम ने सदन किया गावों में एससी-बीसी चौपाल बनाने का सवाल

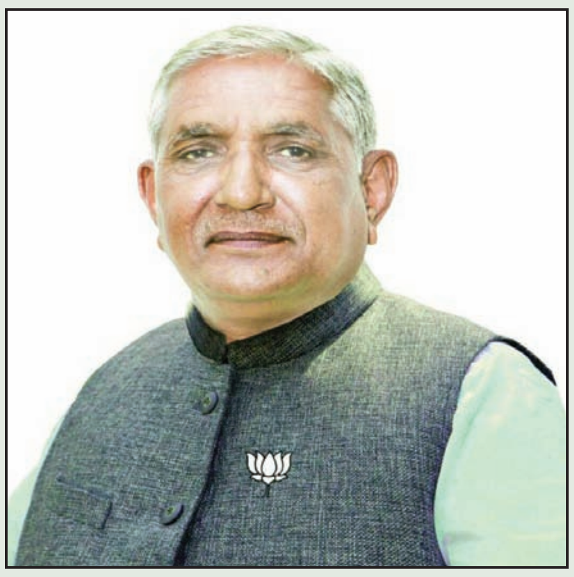

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। अटेली हलका विधायक सीताराम यादव ने मंगलवार को हरियाणा विधान सभा में एससी-बीसी चौपाल बनाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि हलके के गावों में करीब एक सो चौपाल बनाने की जरूरत है जबकि पहले से बनी हुई चौपालों की रिपेयर की आवश्यक्ता है। गावों में चौपाल होने से जरूरतमंद ग्रामीणों को सामाजिक समारोह आयोजित करने में सहुलियत होती है। चौपाल ऐसा स्थान है जहां ग्रामीण बैठकर आपसी चर्चा करते हैं, जो भाईचारा मजबूत करने का सरल माध्यम हैं। उनके जवाब में सरकार ने कहा कि चौपाल बनाने को लेकर सर्वे कराया जायेगा। जिसकी रिपोर्ट सबमिट होने के बाद चौपाल बनाए जाने पर निर्णय लिया जा सकेगा। विधायक सीताराम यादव ने कहा कि अटेली हलके में बुनियादी सुविधाओं में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी को आरसीसी व अंडरग्राउंड करने के बावजूद भी नहीं हुआ स्टेट हाईवे पर लीकेज साइफन का समाधान

कनीना-महेंद्रगढ सडक़ मार्ग पर उन्हाणी के समीप सडक़हुई कंडम

विधायक सीताराम यादव ने दिश जल्द ही ठीक करवाने का आश्वासन

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-महेंद्रगढ स्टेट हाइवे नम्बर 24 पर उन्हाणी गांव के समीप से गुजर रही करीब 25 किलोमीटर लंबी रामपुरी डिस्ट्रीब्यूटरी को बीते समय करोडों रूपये की लागत से आरसीसी पक्का करने तथा अटेली रोड़ से रेवाड़ी रोड़ तक अंडरग्राउंड करने के बाद भी लंबे समय से लीकेज साइफन को दुरूस्त नहीं किया गया है। जिससे सडक़मार्ग खंडित हो रहा है। सडक़में बने गड्ढे हादसों को बढावा दे रहे हैं। इस बिंदू को लेकर नहर तथा लोक निर्माण विभाग आमने-सामने हैं। नहर विभाग के अधिकारी लीकेज साइफन को ठीक करने से पूर्व सडक़मार्ग के चौडीकरण का इंतजार कर रहे हैं

जबकि लोक निर्माण विभाग के अधिकारी साइफन को दुरूस्त करने के बाद सडक़निर्माण करने की जुगत बैठा रहे हैं। नतीजतन आमजन परेशान है वहीं सडक़ हादसों को बढावा मिल रहा है।

पुलिया लीकेज होने से सडक़के दोनों ओर पानी जमा है जो वाहनों के आवागमन के कारण दोनों ओर सडक़ पर पंहुच जाता है। इस पानी के कारण दोनों ओर सडक़में गड्ढे बन रहे हैं। बता दें कि करीब 9 वर्ष पूर्व इस रिसावग्रस्त पुलिया पर सीमेंट के ब्लाक लगाकर रिमू करने की कवायद की गई थी। जो पानी का रिसाव होने के कारण ये उपर-नीचे हो गए। नहर में जब-जब पानी चलता है तब लीकेज का पानी वाहनों से दूर तक फैल जाता है। वाहन चालकों डॉ.विजय शर्मा डेंटिस्ट, राजेश कुमार, मुकेश कुमार, सुनील कुमार, वेदपाल, राहुल मित्तल, अशोक कुमार, अनिल कुमार, राजसिंह,राजपाल सिंह, ललित कुमार, मुकेश शर्मा, राजसिंह, नवीन ने लीकेज पुलिया को दुरूस्त कर सडक़ निर्माण की मांग की है। उन्होंने कहा कि दो विभागों की लापरवाही नागरिकों के जीवन पर भारी पड़ रही है। यहां पर छोटे-बड़े अनेकों दुर्घटनाएं घटित हो चुकी हैं। रोड सेफ्टि के पहलुओं पर कार्य नहीं हो रहा है। इस बारे में हलका विधायक सीताराम यादव ने कहा कि क्षतिग्रस्त सडक़मार्ग को लोकनिर्माण विभाग के अधिकारियों से जल्द ही ठीक करवाया जायेगा। रिसावग्रस्त नहरी पुलिया को ठीक करवाने के लिये नहर विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं। ऐस्टीमेट को मंजूरी मिल गई है। जल्द ही इसे ठीक करवाया जायेगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर कट छोडने की मांग को लेकर सेहलंग-बागोत में ग्रामीणों का धरना जारी

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। नारनौल-कुरुक्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्ग 152डी पर सेहलंग-बाघोत के बीच वाहनों के प्रवेश मार्ग बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों द्वारा शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को 352वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता विजयपाल सेहलंग ने की। धरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय सिंह ने बताया कि सरकार धरना स्थल पर बैठे ग्रामीणों के धैर्य की परीक्षा ले रही है। 230 किलोमीटर लम्बा यह ग्रीन कॉरिडोर महेंद्रगढ जिले के विभिन्न गावों से होकर गुजर रहा है। केंद्रीय सडक़एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की ओर यहां पर कट देने का आश्वासन दिया था। लेकिन अभी तक कार्य शुरू नहीं हो सका है। जिससे ग्रामीण परेशान हैं। उन्होंने कहा कि जब तक कट का निर्माण कार्य शुरू नहीं हो जाता तब तक उनका धरना जारी रहेगा। इस मौके पर रणधीर पहलवान, नरेंद्र शास्त्री छितरोली, हरिओम पोता, बेड़ा सिंह, लक्ष्मण सिंह, धर्मपाल सिंह, विजयपाल, नरेंद्र शास्त्री, मुंशी राम, सूबेदार सुखबीर सिंह, सूबे सिंह, बाबूलाल, रघुवीर, सीताराम, रमेश कुमार,मांगेराम, हेमराज,वीरेंद्र सिंह, सुबेसिंह, रामकुमार, दाताराम, रामभगत, प्यारेलाल, हंसकुमार, वेदप्रकाश, मनोज, शेर सिंह हाजिर थे।

55 साल की भाग्यश्री ने बगल में खड़ी बेटी से चुराई लाइमलाइट

समाचार गेट/भावना कौशिश

नई दिल्ली। यह कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि बी–टाउन में कुछ एक्ट्रेसेस ऐसी हैं, जिन्होंने बिल्कुल ठानकर रखा हुआ है कि वह न तो कभी बूढ़ी होने वाली हैं और न ही वो सुंदर दिखना छोड़ सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उम्र की आधी पारी क्रॉस करने के बाद भी इनकी ब्यूटी ज्यों की त्यों है। कम शब्दों में कहें तो वो अपने जवानी के दिनों से ज्यादा हसीन दिखने लगी हैं। ऐसी ही एक हसीना सलमान खान की फिल्म मैंने प्यार किया की एक्ट्रेस भाग्यश्री हैं, जिन्होंने सोचकर रखा हुआ है कि वह अपने फैंस को चैन से जीने नहीं देगीं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस हसीना ने हाल ही में अपना 55 वां बर्थडे सेलिब्रेट किया था। इस खास मौके पर उन्होंने अपने मुंबई वाले घर में एक शानदार पार्टी दी थी, जिसमें पति और दोनों बच्चों के साथ बॉलीवुड जगत के तमाम सितारे मौजूद थे।

हालांकि, इस पार्टी का ग्लैम कोशंट मेहमानों की एंट्री जितना ही ग्लैम था, लेकिन जो बात बर्थडे गर्ल के लुक में दिखी, उसे कोई मैच नहीं कर पाया। दरअसल, अपने बर्थडे के लिए भाग्यश्री इतने अच्छे से रेडी हुई थीं कि उनके बगल में खड़ी उनकी बेटी भी फीकी सी लगी।

अपने पति हिमालय दसानी और बेटे अभिमन्यु दसानी और बेटी अवंतिका के साथ पैपराजी को पोज देने आईं भाग्यश्री को इस दौरान वाइट कलर की साड़ी में देखा गया था, जिसमें वह इतनी ज्यादा खूबसूरत लग रही थीं कि उन पर से नजरें हटाना मुश्किल हो गया। दरअसल, भाग्यश्री ने अपने लिए ऑल वाइट लुक पिक किया था, जिसमें साड़ी और ब्लाउज एक ही रंग में रंगा था। एक्ट्रेस की साड़ी जहां साटन मिक्स कपड़े में तैयार की थी, तो वहीं ब्लाउज को सीक्वेंस पैटर्न में रखा था, जो कॉन्ट्रासटिंग इफेक्ट क्रिएट करता दिखा।

वी नेक का पहना ब्लाउज

भाग्यश्री ने अपने लिए जो साड़ी चुनी थी, उसमें किसी तरह का कोई वर्क नहीं था बल्कि इसकी ब्लाउज में ग्लैमर एंड सेक्सीनेस का टच ऐड किया था। एक्ट्रेस की चोली में वी नेकलाइन बनी थी, जिसके साथ स्लीव्स को कटआउट लुक में रखा था। वहीं इसमें ओवरऑल सीक्वेंस का वर्क था, जोकि सिंपल सी साड़ी के साथ काफी ज्यादा अच्छा लग रहा था। वहीं साड़ी की ड्रेपिंग स्टाइल भी भाग्यश्री ने फस–फ्री लुक में रखी थी, जिसकी वजह से उनकी ब्लाउज काफी अच्छे से हाइलाइट हो रही थी।

बेटी को देखा क्या?

वहीं भाग्यश्री की बेटी अवंतिका की बात करें, तो उन्होंने अपनी मां का बर्थडे सेलिब्रेट करने के लिए कॉपर कलर की मिडी ड्रेस पहनी थी, जिसमें ऑफ शोल्डर नेकलाइन के साथ कटआउट स्लीव्स दी गई थीं। वहीं इस ऑउटफिट की लंबाई अपर थाइस तक थी, जिसकी वजह से इसमें उनकी टोंड लेग्स जमकर हाइलाइट हो रही थीं। वहीं उन्होंने अपने फेस पर सटल मेकअप किया था, जिसके साथ बालों को खुला छोड़ा था। पैरों में न्यूड टोन की हील्स पहनी थीं, जिसके साथ गले में पर्ल डिटेलिंग वाला नेकलेस था। खैर, भाग्यश्री की बेटी का यह लुक काफी दमदार था, लेकिन अपनी मां के आगे वो कुछ खास जम नहीं पाईं।(स्त्रोत: समाचार एजेंसी

स्वच्छ भारत अभियान को मजबूत कर रहा, सेप्टिक टैंक सफाई रोबोट

समाचार गेट/भावना कौशिश

नई दिल्ली। भारत में, पहला सेपटिक टैंक/मैनहोल सफाई रोबोट, जो हाथ से मैला ढोने की प्रथा को समाप्त करने के लिए एंड–टू–एंड समाधान प्रस्तुत कर रहा है, विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान को मजबूत कर रहा है। आईआईटी मद्रास के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)–टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई) में स्थापित स्टार्टअप द्वारा विकसित होमोसेप एटम नामक तकनीक मैन्युअल सफाई विधियों का हल करती है और इसे रोबोटिक सफाई विधियों में बदल देती है। यह भारत के विभिन्न हिस्सों के 16 शहरों तक पहुंच चुका है और एक ही उपकरण पर व्यापक ब्लेड सफाई, ठोस अपशिष्ट गाद निकालने, सक्शन और भंडारण को सशक्त बनाता है; जिससे सीवरों में रोबोटिक सफाई को बढ़ावा मिलता है और कई संपततियों के स्वामित्व की लागत कम हो जाती है। डीएसटी–टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर्स (टीबीआई) को सफल उद्यमों में ज्ञान आधारित नवीन स्टार्ट–अप का समर्थन और पोषण करने के लिए निधि कार्यक्रम के तहत अकादमिक/तकनीकी/आरएंडडी संस्थानों में स्थापित किया गया है।

सोलिनास नामक स्टार्टअप, जिसने स्वच्छता उद्देश्यों के लिए सीमित स्थान का निरीक्षण, सफाई और प्रबंधन करने के लिए इस किफायती एकीकृत रोबोटिक समाधान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को विकसित किया है। इससे मदुरै के मैनहोल रुकावटों को साफ करने और सीवर ओवरफ्लो को कम करने में मदद मिली। होमोसेप एटम का प्रयोग चेन्नई की घनी आबादी वाले जटिल गलियों तक भी बढ़ाया गया था। बड़े अपार्टमेंट, हाउसिंग बोर्ड और व्यक्तिगत घरों से जुड़े सेपटिक टैंकों कोध्यान में रखते हुए, इस प्रक्रिया ने नगर पालिकाओं को कचरे को तुरंत और कुशलता से साफ करने, हटाने और उपचार संयंत्रों तक पहुंचाने में सक्षम बनाया। इसके अलावा, सफाई कर्मचारियों को मैनहोल सफाई करने वाले रोबोटों से सशक्त बनाया गया, सफाई कर्मचारियों को मैनहोल को बाहर से साफ करने और जहरीले वातावरण के अंदर जाने से बचने में मदद मिली, और सफाई कर्मचारियों को सम्मान मिला। सोलिनास आईआईटी मद्रास से जन्मा एक डीप–टेक और क्लाइमेट टेक स्टार्टअप है, जिसकी स्थापना उन चुनौतियों को हल करने के इरादे से की गई है जो जल और स्वच्छता क्षेत्र में क्रांति लाती हैं और जलवायु परिस्थितियों में सुधार करती हैं। प्रारंभिक चरण में सोलिनास के उत्पाद विकास को आगे बढ़ाने में आईआईटी मद्रास डीएसटी–टीबीआई ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्टार्टअप लघु रोबोट विकसित करने में माहिर है, जिसमें भारत का पहला 90 मिमी जल रोबोट और 120 मिमी सीवर रोबोट शामिल है, जो जल–सीवर पाइपलाइनों में प्रदूषण चुनौतियों का समाधान करने के लिए 100 मिमी से काम चौड़े पाइपलाइनों के माध्यम से नेविगेट करने में सक्षम है। डीएसटी से समर्थन के माध्यम से प्राप्त एक्सपोजर ने यह सुनिश्चित किया कि समाधान टिकाऊ और स्केलेबल दोनों थे। इस प्रमुख उत्पाद के अलावा, सोलिनास की प्रौद्योगिकियों ने पानी की बर्बादी, भूजल प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और दिन–प्रतिदिन की मानवीय चुनौतियों जैसे मैनुअल स्कैवेंजिंग, दूषित पानी पीना, संयुक्त सीवर ओवरफ्लो आदि जैसी कुछ मौजूदा जलवायु चुनौतियों का समाधान किया।

एंडोबोट और स्वस्थ एआई जैसी तकनीकें पाइपलाइन डायग्नोस्टिक टूल के रूप में काम करती हैं जो पानी के प्रदूषण, बर्बादी और सीवर ओवरफ्लो का पता लगाने और उसे कम करने में सक्षम हैं, जिस पर कोयंबटूर जैसे शहरों में लीक, रुकावट और पेड़ की जड़ों जैसे भूमिगत मुद्दों के कारण अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है। सोलिनास की एआई–आधारित पाइपलाइन दोष पहचान और मूल्यांकन सेवाओं ने लागत बचाने, कम समय में समाधान करने और पूरे हुबली शहर में पेयजल आपूर्ति में सुधार करने में मदद की, जिससे 1000 से अधिक घरों को पेयजल आपूर्ति की गई। गोवा के सीवरेज और बुनियादी ढांचा विकास निगम (एसआईडीजीसीएल) के लिए सीवेज पाइपलाइन में खामियों की पहचान से त्वरित और अधिक लागत प्रभावी समाधान प्राप्त हुए। चेन्नई मेट्रो के साथ साझेदारी से क्रॉस–संदूषण और अवैध टैपिंग की प्रमुख चुनौतियों की पहचान करने में मदद मिली, जिससे पाइपलाइन की अखंडता और पानी की पहुंच में सुधार हुआ। डीएसटी सचिव, प्रोफेसर अभय करंदीकर ने कहा, ऐसे स्टार्टअप के लिए डीएसटी का समर्थन उन युवाओं के लिए प्रोत्साहन का एक प्रमुख स्रोत है जो अपने ज्ञान–आधारित उद्यमों को विकसित करने और सामाजिक चुनौतियों को हल करने के साथ–साथ देश के विकास में योगदान करने के लिए सरकारी स्टार्ट–अप आंदोलन से प्रेरित हैं।

केंद्रीय मंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में एपीआईकॉन 2024 के 79वें वार्षिक सम्मेलन में किया संबोधित

समाचार गेट/भावना कौशिश

नई दिल्ली। इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन के 35वें दीक्षांत समारोह और एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन इन इंडिया (एपीआईसीओएन 2024) के 79वें वार्षिक सम्मेलन के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह को मानद फैलोशिप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर, डॉ. जितेंद्र सिंह, जो स्वयं मेडिसिन और एंडोक्रिनोलॉजी विज्ञान के प्रोफेसर हैं, को मेडिसिन शिक्षाविदों और अनुसंधान के प्रति उनके आजीवन समर्पण के सम्मान में इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन की मानद फैलोशिप से भी सम्मानित किया गया। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि चिकित्सकों के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेना घर वापसी जैसा है और यह उनके मन के बहुट निकट है। उन्होंने आगे कहा कि अपने लंबे कामकाजी कार्यक्रम के कारण उन्हें बहुत कठिनाई से ही अपनी इस बिरादरी से जुड़ने का समय मिल पाता है, लेकिन एपीआईसीओएन फिर से जुड़ने का अवसर देकर इसकी भरपाई करता है। उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने निजी क्षेत्र के साथ एकीकृत होकर डीएनए आधारित वैक्सीन के स्वदेशी विकास करने और विश्व के सबसे बडे कोविड टीकाकरण कार्यक्रम चलाने में भारत की सफलता पर कहा कि प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के कारण भारत 'निवारक स्वास्थ्य देखभाल (प्रिवेंटिव हेल्थकेयर)' में अग्रणी बन रहा है।

मंत्री महोदय ने कहा कि प्रौद्योगिकी अब तेजी से बढ रही है और इसकी क्षमता का दोहन करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और मशीन लर्निंग उपकरणों (टूल्स) का उपयोग किया जा सकता है। आगे बढ़ते हुए उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में महानगरों के अस्पतालों के साथ सहयोग करके मोबाइल टेली–क्लिनिक के एक प्रयोग को भी साझा किया, जहां एक एआई डॉक्टर मरीजों के साथ संवाद करता है। हालाँकि उन्होंने इस बातका उल्लेख किया कि ये प्रौद्योगिकियाँ निसंदेह चुनौतियाँ प्रस्तुत करती हैं लेकिन इन्हें अवसरों में बदला जा सकता है। डॉ. जितेंद्र सिंह के मुताबिक, सभी के लिए लाभकारी स्वास्थ्य सेवा प्रधानमंत्री मोदी जी की गारंटी है और उनकी सरकार इसे सुनिश्चित करने के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने साझा किया कि सरकार ने स्कूल जाने वाली किशोर लड़कियों को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) का टीका लगाने के अपने निर्णय की घोषणा की है। उन्होंने संचारी (कम्यूनिकेबल) और गैर- संचारी (नॉन- कम्यूनिकेबल) रोगों में कमी लाने के सरकार के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। अपने भाषण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल (डिजिटल हेल्थकेयर) के अत्यधिक समर्थक रहे हैं और राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन की प्रगति इसका प्रमाण है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने उल्लेख किया कि डॉक्टर के रूप में वे उस मरीज के साथ मानवीय संपर्क में रहते हैं जो डॉक्टर से बात करने के बाद बेहतर महसूस करता है। इसी प्रकार, प्रौद्योगिकी ने हमें लगभग 2 लाख शिकायतों का निवारण करने में सक्षम बनाया है, जिससे भारत शिकायत निवारण में मार्गदर्शक बन गया है, लेकिन मानव स्वभाव को बनाए रखने और प्रसन्नता सूचकांक (हैपीनेस इंडेक्स) से प्रेरणा लेते हुए, हमने शिकायतकर्ता की संतुष्टि के लिए एक मानव प्रतिक्रिया तंत्र की शुरुआत की है। प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, अंतरिक्ष राज्य मंत्री ने कहा कि देर से शुरू होने के बावजूद, भारत का चंद्रयान–3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचने वाला पहला अंतरिक्ष यान था। भारत की स्वतन्त्रता से पहले एपीआई के इतिहास की चर्चा करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि इसने अपनी विरासत को अक्षुण्ण रखा है और पिछले कुछ वर्षों में यह उत्तरोत्तर विकसित हुआ है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ने सम्मेलन के साथ अपने जुड़ाव को याद किया और कहा कि उन्होंने 2014 तक हर वर्ष एपीआई पाठ्यपुस्तक में एक अध्याय का योगदान दिया था। एपीआई के अध्यक्ष डॉ. मिलिंद नाडकर और इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन (आईसीपी) के डीन डॉ. आर.के. सिंह ने उनकी गरिमामयी उपस्थिति और भारत के स्वस्थ भविष्य के लिए नए साथियों का मार्गदर्शन करने के लिए डॉ. जितेंद्र सिंह के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

14 मार्च को संयुक्त किसान मोर्चे के आह्वान पर दिल्ली जाएंगे पलवल के किसान : रतन सिंह सौरोत

समाचार गेट/हेमलता

पलवल। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर देश भर में निकाले गए ट्रैक्टर मार्च का असर पलवल में भी देखने को मिला। ट्रैक्टर मार्च का नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन (टिकेट) के राष्ट्रीय सचिव रत्न सिंह सौरोत ने किया। प्रेसवार्ता के माध्यम से ट्रैक्टर मार्च में शामिल किसानों का धन्यावाद करते हुए रत्न सिंह ने कहा की अन्नदाता अपनी मांगों को मनवाकर ही दम लेगा। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए सिंह सोरोत ने कहा की सरकार ने किसानों के 13 महीने चले पहले किसान आंदोलन में जो वादे किए थे उन्हें पूरा नहीं किया गया। इसलिए किसान मजबूरन आंदोलन कर रहा है सरकार को अपने वादे को निभाते हुए किसानों की मांगों को पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा किसानों की मांग है की एमएसपी पर कानून बने, किसान आंदोलन पार्ट वन के दौरान किसानों पर दर्ज हुए मुकदमों को रद्द किया जाए, लखीमपुर खीरी के किसानों को न्याय दिया जाए, किसान आंदोलन में जान गवाने वाले किसानों को शहीद का दर्जा दिया जाए और पराली पर बने कानून से किसानों को अलग रखा जाए। उन्होंने कहा की अगर सरकार ने

किसानों की मांगे नहीं मानी तो चाहे कितना ही लम्बा आंदोलन करना पड़े किसान उससे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा की 14 मार्च को संयुक्त किसान मोर्चे के आह्वान पर दिल्ली के रामलीला मैदान में बुलाई गई महापंचायत में पलवल के भी हजारों किसान हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा की पिछले किसान आंदोलन के दौरान भी सरकार को किसानों के सामने झुकना पड़ा था और इस बार भी सरकार को झुकना होगा और किसानों की मांग माननी होंगी। रत्न सिंह ने कहा की सरकार कहती है किसान विपक्षी राजनैतिक दलों की सह पर आंदोलन कर रहें हैं अगर उन्हें ऐसा लगता है तो सरकार को तुरंत किसानों की मांगों को पूरा कर आंदोलन को खत्म करवाना चाहिए।

उन्होंने कहा की 29 फरवरी को संयुक्त किसान मोर्चे की बैठक होनी है उस बैठक में संयुक्त किसान मोर्चे की तरफ से जो भी निर्देश आएगा पलवल के किसान और सभी किसान संगठन उसको अमलीजामा पहनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा की किसान कभी संघर्ष से कभी पीछे नहीं हटता इसलिए सरकार को चाहिए कि किसानों की मांगों को तुरंत प्रभाव से मानना चाहिए। अन्यथा आंदोलन बड़ा स्वरूप लेगा जिसकी जिम्मेवारी खुद सरकार की होगी। वहीं भारतीय किसान यूनियन टिकेट के जिला अध्यक्ष समंदर सिंह चौहान ने कहा की भारत को डब्लूटीओ से बाहर किया जाए। वहीं किसान नेता मूलचंद बड़गुर्जर ने कहा की चाहे किसानों को कितना ही संघर्ष करना पड़े जब तक एमएसपी पर कानून नही बनेगा देश का अन्नदाता पीछे नहीं हटेगा। भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के जिला अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने कहा की सरकार किसानों पर अत्याचार कर रही उनपर गोलियां बरसा रही है जो बेहद निंदनीय है सभी किसान संगठन इसका विरोध करते हैं और निकट भविष्य में सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इस दौरान रत्न सिंह सोरोत के अलावा करतार मंढनाका, बॉबी तेवतिया, राहुल तंवर प्रथला, बाबू डायरेक्टर सुगरमिल और होशियार सरपंच औरंगाबाद आदि किसान नेता भी मौजूद थे।

सीएम कप के तहत होने वाली प्रतियोगिताएं स्थगित

समाचार गेट/हेमलता

पलवल। ब्लॉक, जिला व राज्यस्तर पर 28 फरवरी से होने वाले मुख्यमंत्री कप का आयोजन फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। सीएम कप के तहत ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर 6 खेलों (नेशनल स्टाइल कबड्डी, वालीबॉल, हैंडबॉल, खो–खो, फुटबॉल तथा बास्केटबॉल) में करवाया जाना था। जिला पलवल में यह प्रतियोगिता 28 फरवरी से 01 मार्च तक ब्लॉक स्तर तथा 05 मार्च 2024 को जिला स्तर पर आयोजित करवाई जानी प्रस्तावित थी। इस बारे में जानकारी देते हुए जिला खेल अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि खेल निदेशालय पंचकुला की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि ब्लॉक, जिला व राज्यस्तर पर मुख्यमंत्री कप के तहत आयोजित करवाई जाने वाली प्रतियोगिताएं आगामी आदेशों तक स्थगित कर दी गई है।

समाचार गेट
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार को
आवश्यकता है
● हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
● उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
● ग्रामीण संवाददाता ● फोटोग्राफर
● विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
krishna24news@gmail.com
मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना,
बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा)
संपर्क करें : 9818180269

क्राइम ब्रांच की टीम पर ग्रामीणों ने किया हमला, कर्मचारी हुए घायल गाड़ी हुई क्षतिग्रस्त, केस दर्ज दो गिरफ्तार

समाचार गेट/ऋषि भारद्वाज

होडल। क्षेत्र के गांव भुलवाना में मुखबिर की सूचना के आधार पर पूछताछ के लिए आरोपियों को पकड़ने गई क्राइम ब्रांच की टीम पर लाठी डंडों व पत्थरों से हमला कर दिया । हमले के दौरान क्राइम ब्रांच की तीन पुलिस कर्मचारी घायल हो गए और उनकी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। थाना पुलिस ने क्राइम ब्रांच के प्रभारी की शिकायत पर छः नामजद आरोपियों सहित दर्जनों के खिलाफ केस दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी उमर मोहम्मद ने बताया कि क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दोनों लूटपाट की घटना की जांच के लिए वह हसनपुर चौक मौजूद थे तभी उन्हें मिली कि गांव भुलवाना निवासी राहुल में मनीष इस घटना में शामिल हो सकते हैं ।सूचना के आधार पर जब टीम उनके घर उनसे पूछताछ के लिए पहुंची तो विशाल , अमित ,अनिल,रामकिशन ,लालाराम सुखराम के अलावा पांच व छः लड़कों ने टीम पर हमला कर पूछताछ से पहले ही दोनों आरोपियों को छुड़ा लिया ।बाद में दर्जनों की संख्या में महिलाएं मौके पर आ गई और पुलिस टीम पर पथराव कर दिया जिसमें पुलिस कर्मचारियों को चोट आई और उनकी गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने क्राइम ब्रांच की टीम प्रभारी रविंद्र की शिकायत पर विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर मामले में शामिल आरोपी राहुल व मनीष को गिरफ्तार किया है।

समाज को सही दिशा देने के लिए बेटियों को अच्छी शिक्षा दे : हर्ष कुमार

महारानी किशोरी मेमोरियल कन्या महाविद्यालय की 25 वी वर्षगांठ पर कार्यक्रम का आयोजन

11 गरीब कन्याओं की धूमधाम से शादी करेंगी कालेज प्रबंधन समिति

समाचार गेट/ऋषि भारद्वाज

होडल। होडल के महारानी किशोरी मेमोरियल कन्या महाविद्यालय की 25 वी वर्षगांठ पर हनुमान जी का चोला चढ़ाकर रोट का आयोजन किया गया। चमेली वन में चोला चढ़ाकर कालेज प्रांगण में हवन–यज्ञ का आयोजन हुआ। जिसमें पूर्व मंत्री चौधरी हर्ष कुमार यज्ञमान रहे। इस मौके पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें करीब दस हजार से ज्यादा छात्राओं व होडल शहर व आस पास के इलाके के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में प्रमुख संत रामदास फलारी महाराज ने कॉलेज प्रबंधन समिति व सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशीर्वाद दिया।

पूर्व मंत्री हर्ष कुमार ने रामदास फलारी महाराज से आशीर्वाद लेकर घोषणा की कॉलेज प्रबंधन समिति 11 गरीब कन्याओं की शादी को धूमधाम तरीके से करेगी।इस मौके पर कालेज प्रबंधन समिति के रामकरण नंबरदार,किशन सिंह पीटीआई, बलवीर चैयरमेन मुख्य रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम का आयोजन बड़े हर्ष उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ

महाविद्यालय की अध्यक्षा बिरमा देवी,निदेशक डॉ दिनेश तिवारी कॉलेज की प्राचार्य डॉ. गार्गी शर्मा,डॉ.उत्तमा सिंह, प्रियंकर चौधरी, विश्व कुमार भालू द्वारा यज्ञ में आहुति दी गई।कॉलेज की छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। पूर्व मंत्री चौधरी हर्ष कुमार ने कहा कि महारानी किशोरी कन्या मेमोरियल कन्या महाविद्यालय छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए प्रयासरत है। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की समाज को नई दिशा देने के लिए वे बेटियों को अच्छी शिक्षा दे। उन्होंने छात्राओं को आवाहन किया की वे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर कालेज का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि आज कॉलेज में करीब 5 हजार छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रही है । महारानी किशोरी कॉलेज सही मायने में बेटी पढ़ाओ अभियान को सार्थक करने में लगा है ।उन्होंने कहा कि होडल क्षेत्र में पहले से शिक्षा को लेकर पहल होती रही है और चौधरी शमशेर सिंह ने 8 एकड़ जमीन शिक्षण संस्थान चलाने के लिए शिक्षा समिति के लोगों को दी थी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए रूप सिंह चैयरमेन,बाबूराम सर्राफ,लाल रामकिशन, सहित अन्य गणमान्य लोगों का अहम योगदान रहा है ।कॉलेज के डायरेक्टर दिनेश तिवारी ने बताया कि इस समय कॉलेज में पीजीडीएम, एमबीए, एमसीए, बीबीए, बीसीए, एम एस सी जूलॉजी , एम एस सी बायोटैक, एम एस सी फिजिक्स, एम एस सी केमिस्ट्री ,एमएससी मैथ, कंप्यूटर साइंस, पॉलिटेक्निकल कोर्स , बीएड , आर्ट की सभी फेकल्टी सहित अन्य कोर्स लड़कियों के लिए चलाए गए हैं। जिससे लड़कियां अपना बेहतर भविष्य बना रही है।

सरकार खाद्य प्रसंस्करण फूड प्रोसेसिंग से जुड़े उद्यमों को आसान ऋण करा रही उपलब्ध : डीसी

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। भारत सरकार खाद्य प्रसंस्करण फूड प्रोसेसिंग से जुड़े उद्यमों को आसान ऋण और तकनीकी सहायता उपलब्ध करा रही है। युवा दुनिया के बाजारों में प्रतिस्पर्धा करते हुए आत्मनिर्भर बन सकें इसी उद्देश्य से उद्योगों पर सरकार भारी सबसिडी दे रही है। डीसी राहुल हुड्डा ने जानकारी देते हुए बताया कि पीएफएमई (प्रधानमंत्री फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग इंटरप्राइजेज) स्कीम के तहत अपने सूक्ष्म खाद्य उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए 35 प्रतिशत सबसिडी के साथ बैंक ऋण उपलब्ध करवा रहे हैं। इसके लिए उद्यमी पीएफएमई पोर्टल पीएमएफएमई डॉट एमओएफपीआई डॉट जीओवी डॉट इन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह सबसिडी केवल उन्हीं लाभार्थियों को दी जाएगी जो केवल फूड इंडस्ट्री में अपना छोटा या बड़ा व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। सरकार की इस विशेष पहल से कई सूक्ष्म खाद्य उद्यमों को लाभ होगा। डीसी ने बताया कि नमकीन बनाने का बिजनेस, कोल्ड ड्रिंक बनाने का बिजनेस, खोया पनीर बनाने का बिजनेस बेकरी यूनिट, (बर्गर, बिस्किट, ब्रेड, केक इत्यादि), अचार बनाने की यूनिट, सरसों से तेल निकालने की मील पापड़ बनाने का बिजनेस, दाल बनाने का बिजनेस, समोसा मेकिंग मशीन, पानी पुरी मेकिंग मशीन मसाला पिसाई यूनिट, आलू या केले के चिप्स बनाने की यूनिट, लहसुन या अदरक की पेस्ट बनाने की यूनिट सोयाबीन से पनीर बनाने की यूनिट, गेहूं बाजरा का दलिया, मैदा आटा बनाने की यूनिट, हलवाई के काम के लिए जैसे कि लड्डू बर्फी बनाने के लिए, रसगुल्ला बनाने के लिए, शहद का व्यवसाय शुरू करने के लिए, आंवला से मुरब्बा बनाने की यूनिट के लिए ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। उन्होंने बताया की बैंक से लोन लेने पर 35 प्रतिशत सबसिडी (अधिकतम 10 लाख रुपए दिए जाने का प्रावधान है। इसके अलावा जिले के को डीएपी ओडीओपी उत्पाद के तहत नए उद्योग लगाने के लिए भी बैंक से लोन और सबसिडी उपलब्ध होगी।

ये हैं योजना की शर्तें :

डीसी राहुल हुड्डा ने बताया कि योजना क लाभ उठाने के लिए प्रार्थी की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। प्रार्थी का आधार कार्ड एवं पैन कार्ड, एक पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक की कॉपी (आईएफएससी कोड और अकाउंट नंबर सहित) पिछले 6 महीने की बैंक स्टेटमेंट, उद्योग लगाने के लिए जगह का वैलिड प्रूफ (जमीन की रजिस्ट्री, रेंट एग्रीमेंट, बिजली के बिल की कॉपी जो एक महीने से ज्यादा पुरानी नहीं, टेलीफोन बिल की कॉपी, पानी के बिल की कॉपी या रेंट एग्रीमेंट की कॉपी लगानी होगी। यदि वार्षिक कारोबार 40 लाख रुपए से अधिक है तो जीएसटी पंजीकरण व विनिर्माण में एफएसएसएआई लाइसेंस होना चाहिए। जो उद्योग लगाना चाहते हैं उस उद्योग से संबंधित मशीन का नाम और उसकी लगभग कीमत की जानकारी होनी चाहिए। इस योजना के बारे में अन्य किसी जानकारी के लिए जिला एमएसएमई केंद्र रेवाड़ी में आकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जलियावास सुठाणा प्रखंड के 46 गांवों के राम भक्तों को विश्व हिन्दू परिषद ने किया सम्मानित

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। रविवार को जलियावास सुठाणा प्रखंड के 46 गांवों के रामभक्तों का सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बगथला गांव में स्थित बाबा छोटू नाथ मंदिर के प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवम विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड मंत्री करमचंद यादव ने बताया कि आज के इस सम्मान समारोह में समाज सेवी डॉक्टर संजय मेहरा कुंड वाले मुख्य अतिथि रहे। पूज्य संत जयनाथ महाराज व बाबू दास जी महाराज की विशेष उपस्थिति व आशीर्वचन प्राप्त हुआ। जिला मंत्री राजकुमार यादव ने बताया कि विगत दिनों रामलाल प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के दौरान मेरा मंदिर – मेरी अयोध्या अभियान में जलियांवास सुठाणा प्रखंड के सभी 46 गांव में अच्छे कार्यकर्मो का आयोजन किया गया था। इन सभी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले पूरे प्रखंड से लगभग 235 राम भक्तों को सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम में विहित मातृशक्ति प्रांत संयोजिका डॉक्टर इंदु राव, भिवानी विभाग सामाजिक समरसता प्रमुख रामप्रसाद यादव करनावास, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जोशी, जिला सह मंत्री परमेश कुमार की विशेष उपस्थिति रही। विश्व हिन्दू परिषद के विभाग मंत्री संजय गुप्ता इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। गुप्ता ने अपने विचारों में कहा कि हमें अपने देश, धर्म व संस्कृति की रक्षा करनी चाहिए। संगठन के कार्यों को समझ कर में आगे बढ़ते हुए सहयोग करना चाहिए साथ ही अपने अपने घरों में आयोजित शुभ अवसरों पर धर्म की रक्षा हेतु विश्व हिंदू परिषद की धर्म रक्षा निधि में सहयोग कर कुछ राशि जरूर समर्पित करनी चाहिए। जिला अध्यक्ष राधेश्याम मित्तल, डॉक्टर इंदु राव व डॉक्टर संजय मेहरा ने रामकाज में लगे राम भक्तों को सम्मान पत्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया व सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में प्रखंड उपाध्यक्ष हरिकिशन ने सभी आए हुए अतिथियों व राम भक्तों का कार्यक्रम में पहुंचने पर आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रखंड कार्यवाह स्वयंसेवक सत्यदेव, बजरंग दल से शिवम कौशिक, संदीप, मोहन, ग्राम सरपंच पति संजय, ब्लॉक समिति सदस्य भोलाराम, आजाद सिंह बगथला, नवीन कुमार, कमल सिंह चौहान, सुनील लंबरदार सुखानी, धर्मेंद्र गुजरीवास, रमेश सिंह अशियकि पांचोर, विजय अकेड़ा, नंदकिशोर लोढाना, सत्यनारायण शर्मा बोलनी, धर्मेंद्र सरपंच दोढाई, गायत्री देवी कसौली व अन्य राम भक्त, गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

'चुनाव का पर्व-देश का गर्व'

मतदान करना हर भारतीय का अधिकार और ड्यूटी : जिला निर्वाचन अधिकारी

मतदाता भारत चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदाता सूची में चेक कर लें अपना नाम व अन्य विवरण।

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल हुड्डा ने बताया कि 18वीं लोकसभा चुनाव में अब कुछ ही समय शेष बचा है। भारत चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन पहले ही कर दिया है और मतदाताओं को इसमें अपना नाम सहित अन्य विवरण जांचने के लिए अंतिम मौका दिया है। सभी मतदाता समय रहते अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची में अपने नाम का अवलोकन कर लें ताकि उन्हें मतदान करने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में अपना नाम चेक करना बहुत ही आसान है। आप इसे ऑनलाइन अपने कंप्यूटर या मोबाइल से कर सकते हैं। मतदाता सूची में अपना नाम खोजने के लिए आपको अपने राज्य एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के नाम, अपना प्रथम एवं अंतिम नाम, जन्म तिथि और आयु इत्यादि की जानकारी देनी होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यदि आप अपने कंप्यूटर के जरिए यह काम कर रहे हैं तो आपको सबसे पहले चुनाव आयोग की वेबसाइट voters.eci.gov.in/ पर जाना होगा और इसमें दिख रहे सर्च इन इलेक्टोरल रोल ऑप्शन पर क्लिक करना होगा। इसके बाद आपकी स्क्रीन पर एक फार्म निकलेगा। आप इसमें जरूरी डिटेल भरने के बाद सर्च ऑप्शन पर क्लिक करेंगे तो आपके सामने मतदाता सूची से संबंधित आपकी जानकारी सामने आ जाएगी। साथ ही यह भी पता लग जाएगा कि आपका वोट किस मतदान केंद्र पर है। इसके अलावा आप इसी पेज पर ईपीआईसी नंबर के जरिए भी अपना नाम वोटिंग लिस्ट में चेक कर सकते है। वहीं अगर आपका फोन नंबर चुनाव आयोग में रजिस्टर है तो आप फोन नंबर डालकर भी अपना नाम देख सकते हैं।

डीसी ने बताया कि यदि आप मोबाइल फोन पर अपना नाम वोटिंग लिस्ट में देखना चाहते हैं तो आप वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड कर सकते हैं। इसमें आपको सबसे ऊपर सर्च नेम इन इलेक्टोरल रोल का ऑप्शन दिखेगा। इसमें क्लिक करने के बाद आपके पास वोटिंग लिस्ट में अपना नाम चेक करने के चार विकल्प मिलेंगे। पहला मोबाइल नंबर, दूसरा क्यूआर कोड, तीसरा डिटेल और चौथा ईपीआईसी नंबर। आप किसी भी एक विकल्प का चुनाव कर अपना नाम वोटिंग लिस्ट में देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि मतदान करना हर भारतीय नागरिक का अधिकार है और उसकी ड्यूटी भी। मतदान के लिए आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि आपके पास वोटर आईडी के साथ-साथ आपका नाम वोटर लिस्ट में भी शामिल हो। उन्होंने बताया कि एक नागरिक के लिए वोटिंग लिस्ट में नाम होना जरूरी है क्योंकि यह उन्हें वोट डालने की अनुमति देता है। वोटिंग लिस्ट एक सरकारी दस्तावेज होता है जिसमें वोट डालने के लिए पंजीकृत नागरिकों के नाम, पता और अन्य संबंधित जानकारी होती है। इसे विभिन्न चुनाव अवसरों पर अपडेट किया जाता है ताकि सही व्यक्ति को सही समय पर वोट डालने की सुविधा मिले। उन्होंने अपील की कि सभी मतदाता ऑनलाइन सुविधा का लाभ उठाकर वोटिंग लिस्ट में अपना नाम चेक करें ताकि वे लोकतंत्र के महापर्व में भागीदार बन सकें।

दूध दही को कहें हां, नशे को कहें ना : एसपी सहारन

एसपी दीपक सहारन मीरपुर चौकी में ग्रामीणों के साथ कि बैठक।

लोगो को नशा व महिला विरुद्ध अपराधों बारे किया जागरूक।

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने मीरपुर चौकी में क्षेत्र के मौजिज व्यक्तियों के साथ बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करना और महिला विरुद्ध अपराधों को रोकने व मनचलों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने बारे था। इस अवसर पर धारूहेड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार भी मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने कहा कि पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय से ही अपराध एवं अपराधियों तथा गैरकानूनी धंधा करने वालों पर कारगर ढंग से अंकुश लगाया जा सकता है। पुलिस प्रशासन की ओर से नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में आमजन आगे आकर अपनी अग्रणी भूमिका निभाए तथा और अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें ताकि नशे को समाज से पूरी तरह से खत्म किया जा सके। युवा अपनी ऊर्जा शिक्षा व खेलों में लगाएं तथा अपनी बेहतर प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपने मां-बाप तथा इलाके का नाम रोशन करें। नशे को जड़ से समाप्त करने के लिए समाज के सभी लोगों को मिलकर सामूहिक प्रयास करना होगा, तभी हम पूरी तरह से नशा मुक्त एवं अपराध मुक्त समाज की स्थापना कर पाएंगे। उन्होंने युवाओं को दूध दही के खान पान पर जोर दिया व नशे से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी पंचायतो को खेलो का आयोजन करना चाहिए ताकि युवा पीढ़ी नशा रूपी बीमारी से दूर रह सके। उन्होंने कहा कि नशा बेचने वालों की असली जगह जेल है इसलिए नशे का कारोबार करने वालों की सूचना नि:संकोच होकर पुलिस को दें, या मुझे मेरे मोबाइल नंबर 7056666100 पर व्हाट्सएप के माध्यम से दे सकते है। पुलिस प्रशासन ऐसी सूचना पर जल्द और कड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने बैठक में आए क्षेत्र के मौजिज व्यक्तियों से पुलिस व आमजन के बीच सामंजस्य स्थापित करने व अपराधों को रोकने को लेकर सुझाव भी लिए तथा पुलिस की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि महिला विरुद्ध अपराधों पर पुलिस द्वारा सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। महिलाओं को भी उनके अधिकारों व कानूनों की जानकारी दी जारी है। महिला थाना व महिला हेल्पलाइन 1091 व डायल 112 पीड़िता की मदद के लिए है। महिलाएं कभी भी अपनी शिकायत दे सकती है। कहीं भी मनचलों व असामाजिक तत्वों द्वारा परेशान करने या कहीं भी जमावड़ा रहने पर इसकी जानकारी पुलिस को दें। पुलिस द्वारा मनचलों के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत को करने के लिए क्षेत्र के मौजिज व्यक्तियों से अधिक सीसीटीवी कैमरे व सभी गांवों में ठीकरी पहरा लगाते रहने की अपील की। उन्होंने कहा की ठीकरी पहरा के दौरान पुलिस गश्त की भी हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर थाना धारूहेड़ा प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, मीरपुर चौकी इंचार्ज एएसआई अमित कुमार, हंसराज नम्बरदार, उदयराज नम्बरदार, सत्यनारायण चेयरमैन, महेश सरपंच मालाहेडा, राजकुमार सरपंच बुड़ाना, अनिल सरपंच गोकलपुर, सतीश सरपंच बुडानी व आस-पास के गांवों के अन्य सरपंच व मौजिज व्यक्ति भी मौजूद रहे।

झज्जर जिले को लगातार तीसरे दिन मिली बड़ी सौगात

झज्जर- कोसली रोड का 45 करोड़ से होगा सुदृढ़ीकरण : धनखड़

एचएसआरडीसी ने किया टेंडर अलॉट, नौ महीने में कार्य होगा पूरा

धनखड़ ने सड़क मार्ग के लिए धनराशि मंजूर करने और झज्जर को पुलिस कमीशनरी बनाने पर किया सरकार का धन्यवाद

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने बताया कि झज्जर से कोसली सड़क मार्ग का सुंदरीकरण व सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। झज्जर -कोसली सड़क मार्ग के सुधारीकरण व सुदृढ़ीकरण कार्य पर लगभग 45 करोड़ रूपये की धनराशि खर्च होगी। धनखड़ ने कहा कि झज्जर से कोसली तक एक दर्जन से अधिक गांवों को यह सड़क मार्ग जोड़ता है। सड़क मार्ग के सुदृढ़ीकरण होने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को सुगम व सुलभ आवागमन की सुविधा होगी। धनखड़ ने कहा कि झज्जर जिले को लगातार तीसरे दिन बड़ी सौगात मिली है। रविवार को पीएम मोदी ने बादली हलके के गांव देवरखाना में केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र का लोकार्पण किया, सोमवार को पीएम मोदी ने अपने कर कमलों से जिले के तीन रेलवे ओवर ब्रिज का शिलान्यास किया और आज मंगलवार को झज्जर-कोसली सड़क मार्ग के सुधारीकरण व सुदृढ़ीकरण का टेंडर हो गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने सड़क मार्ग सुधारीकरण और झज्जर को पुलिस कमीशनरी बनाने पर सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि लगभग 30 किलोमीटर लंबाई वाले इस सड़क मार्ग का ज्यादातर हिस्सा झज्जर जिले में पड़ता है यानि 25 किलोमीटर सड़क मार्ग झज्जर जिले की सीमा में है। उन्होंने बताया कि हरियाणा स्टेट रोड एंड ब्रिज डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को यह कार्य सौंपा गया है। एचएसआरडीसी के कार्यकारी अभियंता उदयवीर ने बताया कि लगभग नौ महीने में यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। सुधारीकरण के तहत गांवों के अंदर सड़क मार्ग के दोनों ओर समतल में पेवर ब्लॉक बिछाए जाएंगे और जल निकासी नालों को दुरुस्त किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के लोगों ने भाजपा के राष्ट्रीय सचिव श्री औमप्रकाश धनखड़ से मिलकर इस सड़क मार्ग के सुधारीकरण व सुदृढ़ीकरण की मांग रखी थी। सड़क मार्ग की टेंडर प्रक्रिया पूरी होने पर क्षेत्र के लोगों ने औमप्रकाश धनखड़ का धन्यवाद करते हुए खुशी जाहिर की है। यह सड़क मार्ग झज्जर से वाया खाजपुर, डावला, रईया, कासनी, हसनपुर, ढ़ाकला, सुबाना, धारौली होते हुए कोसली पहुंचती है।

मुख्यमंत्री ने की घोषणा, झज्जर बनेगा पुलिस कमिश्नरेट

सब्जी मंडी पर लगने वाला 1 प्रतिशत एचआरडीएफ खत्म

राजकीय पशुधन फार्म, हिसार के 4 गांवों में रह रहे 2719 परिवारों को मिलेगा मालिकाना हक

मिशन हरियाणा-2047 के लिए होगा हाई लेवल टास्क फोर्स का गठन

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आज हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान झज्जर को पुलिस कमिश्नरेट बनाने, सब्जी मंडी से एचआरडीएफ की 1 प्रतिशत फीस को खत्म करने, राजकीय पशुधन फार्म, हिसार के 4 गांवों में रह रहे 2719 परिवारों को मालिकाना हक देने, मिशन हरियाणा-2047 के लिए हाई लेवल टास्क फोर्स का गठन करने की घोषणाएं की।

मनोहर लाल ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के साथ लगते झज्जर जिले को अब पुलिस कमिश्नरेट बनाया जाएगा। पुलिस आयुक्त स्तर के अधिकारी वहां कानून व्यवस्था के लिए तैनात किये जाएंगे। इससे पहले, फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत में पुलिस कमिश्नरेट की व्यवस्था पहले से ही है। उन्होंने प्रदेश में सब्जी मंडी पर लगने वाले 1 प्रतिशत एचआरडीएफ फीस को खत्म करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पहले मंडियों में 1 प्रतिशत एचआरडीएफ तथा 1 प्रतिशत मार्केट फीस लगती थी। अब आढ़तियों के साथ सहमति बन चुकी है और उन्हें इस 1 प्रतिशत मार्केट फीस की बजाय अब पिछले 2 सालों यानि वर्ष 2022-23 और 2023-24 के दौरान वास्तविक मार्केट फीस के औसतन का एकमुश्त भुगतान करना होगा। इसके अलावा, यदि कोई 1 प्रतिशत के हिसाब से ही भुगतान करना चाहता है, तो वो भी कर सकता है। राजकीय पशुधन फार्म, हिसार के 4 गांवों नामत: ढंढूर, पीरावांली, बीड़ बबरान और झिड़ी में खेती के लिए आवंटित की गई जमीन पर 1954 से मकान बनाकर रह रहे लोगों को अब मालिकाना हक दिया जाएगा। यहां 2719 घर हैं। इनमें से 1831 मकान ऐसे हैं, जो 250 वर्ग गज में बने हैं। ऐसे मकान मालिकों को अब 2000 रुपये प्रति वर्ग गज के अनुसार भुगतान करना होगा। इसी प्रकार, 250 वर्ग गज से 1 कनाल तक के 742 घर हैं, उन्हें 3000 रुपये प्रति वर्ग गज, 1 कनाल से 4 कनाल तक के 146 परिवार हैं, उन्हें 4000 रुपये प्रति वर्ग गज का भुगतान करना होगा। इसके अलावा, जो घर 4 कनाल से अधिक क्षेत्र में बने हैं, उन्हें 4 कनाल तक सीमित रखा जाएगा और शेष भूमि को आम उपयोग के लिए गाँव की भूमि में शामिल किया जाएगा। मनोहर लाल ने घोषणा करते हुए कहा कि वर्ष 2030 तक हरियाणा राज्य ने सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने का विजन है। इसके लिए मिशन हरियाणा-2047 के लिए हाई लेवल टास्क फोर्स बना रहे हैं। श्री दीपक बागला, जोकि इनवेस्ट इंडिया के सीईओ रह चुके हैं, वे इस टास्क फोर्स का चेयरमैन होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत जो 5 ट्रिलियन यूएस डॉलर की इकॉनॉमी बनने जा रहा है, इसमें हरियाणा की ओर से 1 ट्रिलियन यूएस डॉलर का योगदान देने की योजना बना रहे हैं।

होडल में केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने फ्लाई ओवर ब्रिज के उद्घाटन किए

समाचार गेट/ऋषि भारद्वाज

होडल। केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने आज होडल के गांव गांव मित्रोल-औरंगाबाद व गांव मुंडकटी से होकर गुजर रहे नेशनल हाईवे पर बनने वाले फ्लाईओवर का विधिवत शिलान्यास किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. हरेंद्र पाल राणा भी मौजूद थे। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में 234 करोड़ रुपए के टेंडर पास किया गया है। जिसमें से मित्रोल-औरंगाबाद ओवरब्रिज के निर्माण पर 55 से 60 करोड़ तथा मुंडकटी पर बनने वाले ओवरब्रिज के निर्माण पर करीब 30 से 35 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। जबकि 150 करोड़ रुपए की लागत से बल्लभगढ़ फ्लाईओवर को चौड़ा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित इन गांवों में अंडरपास न होने के चलते हाईवे पर दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी, लेकिन अब इन अंडरपास के निर्माण के बाद इन गांवों के ही नहीं अपितु आस-पास के काफी गांवों के लोगों को सुविधा पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि यह कार्य आगामी पांच महीने में शुरू कर दिए जाएंगे। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि जो काम पिछले 50 वर्षों से नहीं हुए थे वह विकास कार्य पिछले कुछ सालों में पूरे कर दिए गए हैं। हर विधानसभा क्षेत्र में लड़कियों के लिए कॉलेज बनाए जा रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सडक़ फ्लाईओवर सहित सभी दिशाओं में विकास कार्यों में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं छोड़ी गई है। सभी विकास कार्य तीव्रता से पूर्ण करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांव बंचारी में दस करोड़ रुपये की लागत से सिंथेटिक ट्रैक बनाया जाएगा तथा मुंडकटी पर दो करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से जाट भवन का निर्माण भी किया जाएगा।

होडल के गांव गोढोता में पुरानी रंजिश को लेकर युवक को मारी गोली

घायल युवक अपने भाई के साथ प्रोग्राम के लिए ट्रेक्टर से सिलेंडर भरवाने के लिए जा रहे थे

समाचार गेट/ऋषि भारद्वाज

होडल। क्षेत्र के गांव गौढोता में पुरानी रंजिश के चलते पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा के सिक्योरिटी इंचार्ज रहे डीएसपी के भतीजे पर तलवार से हमला करने के बाद जान से मारने की नीयत से गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया । गोली लगने के बाद आसपास के लोगों ने फायरिंग की सूचना थाना पुलिस को दी और घायल को ईलाज के लिए पलवल के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है। हमलावर आरोपी गांव गौढोता का रहने वाला बताया गया है लेकिन आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की दोपहर घर से ट्रैक्टर पर सवार होकर निकले पूर्व डीएसपी परम सिंह के भतीजे वीरेंद्र को गांव के बाहर होडल खाम्बी सड़क मार्ग पर रोक लिया गया और आरोपियों ने उसे पर तलवार से हमला कर दिया ,जब पीड़ित ने अपना बचाव किया तो आरोपियों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और आरोपी तलवार को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए । गांव में गोली चलने की सूचना से हड़कंप मच गया और घटना की जानकारी होडल थाना पुलिस को दी । फायरिंग की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी उमर मोहम्मद घटनास्थल पर पहुंच गए और उन्होंने घायल को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया लेकिन इस दौरान आरोपी फरार हो गए। डीएसपी कुलदीप सिंह ने बताया कि मामले में टीमों का गठन किया गया है जल्द शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा ।वहीं कांग्रेस पार्टी के नेता राजगोपाल क्षेत्र में बढ़ रही अपराधिक घटनाओं को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल और गृहमंत्री अनिल विज से क्षेत्र पुलिस फोर्स बढ़ाने और अपराध पर अंकुश लगाने की मांग की है।

शहीद हसन का मेवाती का सम्मान हर मेवाती का सम्मान है : चौधरी जाहिद हुसैन

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। पूर्व की कांग्रेस व इनेलो सरकारों ने नूंह जिला में सिर्फ वोटों की राजनीति की थी लेकिन वर्तमान में केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार ने नूंह जिला को सही मायने में सम्मान दिया है। पूर्व से ही मेवात शहीदों की धरती रही है जो सम्मान हमें दशकों पूर्व मिलना चाहिए था वह कई दशकों बाद मिल रहा है। आज यह हर मेवाती के लिए गर्व की बात है। उक्त बातें नूंह विधानसभा से वरिष्ठ भाजपा नेता चौधरी जाहिद हुसैन चेयरमैन ने खेड़ला मोड स्थित सदभावना मंडप में कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान कहीं। इस बैठक में नूंह विधानसभा के सैंकड़ों लोगों ने भाग लिया। इस बैठक में मुख्य रूप से मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहाकार मुकेश वशिष्ठ भी मौजूद रहे। इस मौके पर चौधरी जाहिद हुसैन ने कहा कि भाजपा मेवों की सच्ची हितैशी पार्टी है। अन्य पार्टियों ने मेवों को कोई सम्मान नहीं दिया। आगामी नौ मार्च को बडक़्ली चौक पर होने वाले कार्यक्रम में शहीद हसन खां मेवाती का स्टैच्यू बनाया जा रहा है। जोकि आज हर मेवाती के लिए गर्व की बात है। इससे बढक़र शहीद हसन खां व हर मेवाती के लिए गर्व की कोई और बात नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि इस दिन प्रदेश सरकार ने अवकाश भी घोषित किया है जोकि हर मुसलमान के लिए सबसे बड़ा गर्व का दिन है। इस दौरान मौके पर पहुंचे ग्रामीणों में हर गांव से गणमान्य लोग पहुंचे। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में पहुंचे लोगों को चौधरी जाहिद हुसैन चेयरमैन ने आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि देश प्रदेश में भाजपा द्वारा बिना भेदभाव के विकास कार्य करवाएं जा रहे हैं। देश के पीएम मोदी व प्रदेश के सीएम मनोहर लाल द्वारा सबका साथ सबका विकास व सबका विश्वास के साथ कार्य कराया जा रहा है। आज सरकार ईमानदार के साथ कार्य कर रही तभी जाकर उनको पूरा मान सम्मान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनने जा रही है। इसलिए आमजन को चाहिए कि वह भाजपा की नीतियों के साथ जुडक़र सहयोग करें और नौ मार्च को होने जा रहे शहीद हसन खां मेवाती शहीदी दिवस में अपनी उपर्सथिति दर्ज कराएं। इस मौके पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहाकार मुकेश वशिष्ठ ने कहा कि प्रदेश के विकास पुरूष मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा हर वर्ग को समान रूप से सम्मान दिया जा रहा है। शहीद किसी जाति मजहब नहीं बल्कि सर्व समाज के होते हैं। उनको सम्मान देना हर नागरिक का कर्तव्य है। इसी सोच के साथ वह कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर मुख्य रूप से डॉ शारिक हुसैन मालब, रफीक हथौड़ी सरपंच खेड़ला, रहीश अलालपुर, सिराजुद्दीन जजपा, पूर्व चेयरमैन खुर्शीद राजाका सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हवलदार यशपाल की हत्या में संलिप्त 11 साल से वांछित आरोपी शाकिर निवासी शिकारपुर को मुठभेड के बाद किया गया गिरफ्तार

आरोपी से एक अवैध पिस्टल, 02 जिन्दा कारतूस व 01 अपाचे मोटरसाईकिल बरामद

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। सोमवार रात्री को स्पैशल सैल, एनडीआर, दिल्ली पुलिस तथा नूंह पुलिस की अपराध जांच शाखा नूंह व तावडू की ज्वाईंट टीम ने वर्ष 2012 में दिल्ली पुलिस के हवलदार यशपाल की हत्या में वांछित अपराधी शाकिर पुत्र मौहम्मद जानू निवासी शिकारपुर थाना सदर तावडू, जिला नूंह को गुप्त सूचना के आधार पर जीसीएस स्कूल तावडू के पास से मुठभेड के बाद काबू किया ।

मुठभेड के दौरान आरोपी शाकिर उपरोक्त के दोनों पैरो में गोली लगी । आरोपी को ईलाज हेतु शहीद हसन खां मेवाती मैडिकल कॉलेज नलहड में दाखिल कराया गया है। सोमवार को स्पैशल सैल एनडीआर दिल्ली पुलिस की टीम तावडू क्षेत्र में मौजूद थी। उसकी समय गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि वर्ष 2012 में दिल्ली पुलिस के हवलदार यशपाल की हत्या में वांछित अपराधी शाकिर पुत्र मौहम्मद जानू निवासी शिकारपुर (तावडू) अपने किसी साथी से मिलने व वारदात को अन्जाम देने तावडू आयेगा । जिसके बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम में तैनात निरीक्षक शिवकुमार ने अपराध जांच शाखा नूंह में तैनात निरीक्षक अमित कुमार व अपराध जांच शाखा तावडू में तैनात निरीक्षक सुभाष से संपर्क कर, एक ज्वाईंट टीम का गठन करके उनको सूचना से अवगत कराया।

तत्पश्चात समय करीब 03.00,रू पर उपरोक्त ज्वाईंट रैंडिग टीम ने जीसीएस स्कूल तावडू के पास पहुंचकर आरोपी शाकिर उपरोक्त को पकडने के लिये नाकाबन्दी शुरु की । जो कुछ देर बाद ही आरोपी शाकिर उपरोक्त बिलासपुर की तरफ से एक सिल्वर रंग की बिना नंबर प्लेट की एक अपाचे मोटरसाईकिल पर आता हुआ पुलिस टीम को दिखाई दिया । जो पुलिस पार्टी द्वारा उसे रोकने की कोशिश की गई, लेकिन आरोपी शाकिर उपरोक्त पुलिस पार्टी को देखकर भागने का प्रयास करने लगा और पुलिस पार्टी को टारगेट करते हुये पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से सीधे 04 राउंड फायर किये। जो पुलिस पार्टी द्वारा भी अपनी आत्मरक्षा में आरोपी शाकिर उपरोक्त पर एक-2 राउंड फायर किया। जिससे आरोपी शाकिर उपरोक्त के दोनों पैरो में गोली लगी। आरोपी शाकिर को पुलिस टीम द्वारा काबू कर उपचार के लिये नल्हड़ मैड़िकल अस्पताल नूंह मे भर्ती करवाया गया ।

आरोपी के खिलाफ सम्बधिंत धाराओं के तहत थाना सदर तावडू मे मुकदमा दर्ज करके आगामी कार्यवाही की जा रही है।

न्यायिक परिसर रेवाड़ी, बावल व कोसली में 9 मार्च को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से बुधवार 6 मार्च को स्थाई लोक अदालत में, गुरूवार 7 मार्च को उपभोक्ता न्यायालय में तथा शनिवार 9 मार्च को रेवाड़ी सहित बावल व कोसली में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। परिवादी राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सुलह व समझौते के आधार पर स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से केस का निपटारा करा सकते हैं। सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव वर्षा जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर एक्सीडेंट, एनआई एक्ट, फौजदारी, रेवेन्यू, वैवाहिक विवाद का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण करा सकता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद निपटाया जाता है। इससे शीघ्र व सुलभ न्याय, कहीं कोई अपील नहीं, अंतिम रूप से निपटारा, समय की बचत जैसे लाभ मिलते हैं।

मौत के साए में कार्य रहे हैं पुलिसकर्मी

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। सीएलजी कमेटी के चेयरमैन वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील भार्गव ने एडवोकेट ने मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार डीजीपी हरियाणा व डायरेक्टर हरियाणा हाउसिंग बोर्ड पुलिस कॉरपोरेशन को शिकायत भेज कर थाना माडल टाउन की बिल्डिंग के बारे में बताया कि इस बिल्डिंग के पिलर जिस पर की यह बिल्डिंग पुरी टिकी हुई है उसमें जगह-जगह दरारें आ गई है। यह बिल्डिंग बिल्डर खराब होने के कारण कभी भी गिर सकती है। इस बिल्डिंग के अंदर करीब करीब 60 पुलिस कर्मचारी कार्य करते हैं। इस बिल्डिंग पर जितने भी छज्जे हैं वह जगह से टूट कर गिर गए हैं, कई छज्जे तो टूट कर बिल्डिंग पर ही अटके हुए हैं वे कभी भी किसी की भी जान ले सकते हैं। पुलिस कर्मचारी सिर्फ इसलिए नहीं कह पाए क्योंकि उन्होंने अपने उच्च अधिकारियों का डर बना रहता है व इस खतरे के साए में काम करने के लिए मजबूर हैं। श्री भार्गव ने बताया कि मैंने मौके पर जाकर बिल्डिंग के हालात का जायजा लिया और देखा कि बिल्डिंग को बने हुए अब अभी कुछ ही साल हुए हैं लेकिन बिल्डिंग गिरने के दर पर है।

अदम्य साहस और बहादुरी के पर्याय थे अमर क्रांतिकारी शहीद चन्द्रशेखर आजाद : अमित स्वामी

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

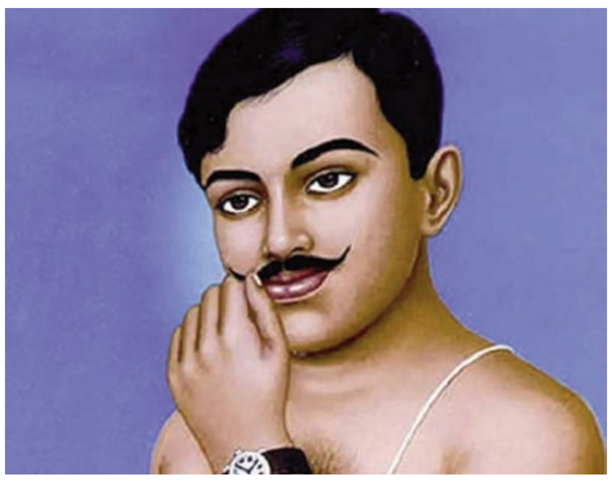

रेवाड़ी। यंगमैन्स एसोसियेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित स्वामी ने आज अमर क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद की आज पुण्य तिथि पर संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ संस्था के ऑटो मार्किट, रेवाड़ी स्थित कार्यालय में उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करके श्रृंद्धाजलि अर्पित की। आज ही के दिन चंद्रशेखर आज़ाद ने 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद के एल्फेट पार्क में ब्रिटिश हकूमत के सिपाहियों से लड़ते हुए अंतिम बची गोली से खुद के प्राण लेकर देश के लिए शहीद हो गए। भारत माँ के इस सपूत का जन्म 23 जुलाई 1906 को अलीराजपुर जिले के भावरा नामक स्थान पर पंडित सीताराम तिवारी के यहां हुआ। जो अपने उत्तर प्रदेश स्थित पैतृक निवास बदरका छोड़कर अलीपुर रियासत में नौकरी करते थे और भावरा में बस गए। जहां चंद्रशेखर आज़ाद का बचपन बीता। आदिवासी इलाका होने के कारण चंद्रशेखर आज़ाद बचपन से ही कुशल निशानेबाज बन गए। जिस वक्त अंग्रेजी हकूमत ने जलियांवाला बाग में नरसंहार किया उस वक्त चंद्रशेखर आज़ाद बनारस में पढ़ाई कर रहे थे। 1921 में जब महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन चलाया तो आजाद भी सड़कों पर उतर गए। उन्हें भी गिरफतार किया गया लेकिन वे हर हाल में वन्दे मातरम् और महात्मा गांधी की जय बोलते रहे। अदालत में जब उनसे उनका परिचय पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आज़ाद पिता का नाम स्वतंत्रता व पता जेल बताया। जब गांधी जी द्वारा 1922 में चोरी चोरा कांड में मारे गये 21 ब्रिटिश पुलिस कांसटेबल व एक सब इंसपैक्टर के मारे जाने से दु:खी होकर असहयोग आंदोलन अचानक बंद कर दिया तब आजाद की विचारधारा में बदलाव आया और वे क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़कर हिन्दुस्तान रिपलबकिन एसोसियेशन के सक्रिय सदस्य बन गए। आज़ाद ने राम प्रसाद बिस्मिल एवं अन्य क्रांतिकारियों के साथ मिलकर ब्रिटिश खजाना लूटने और हथियार खरीदने के लिए 9 अगस्त 1925 को लखनऊ की तरफ बढ़ रही सहारनपुर पैसेंजर ट्रेन को लखनऊ से पहले काकोरी स्टेशन पर लूट लिया। जिससे अंग्रेजी हकूमत हिल गई। लाला लाजपत राय की मृत्यु के बाद से ही इसका बदला लेने के लिए आज़ाद, राजगुरु और सुखदेव ने योजना बनाई और 17 दिसम्बर 1927 को लाहौर के पुलिस अधीक्षक के दफतर को घेर लिया और जैसे ही जे.पी. सांडन अपने अंगरक्षक के साथ मोटरसाइकिल पर बैठ कर निकले तो राजगुरू ने पहली गोली दाग दी और भगत सिंह ने आगे बढ़ कर 4-6 गोली दागी। जब सांडर्स के अंगरक्षक ने उनका पीछा किया तो आजाद ने उसे अपनी गोली से समाप्त कर दिया। लाहौर में जगह-जगह पोस्टर लगे कि लाला जी की मौत का बदला लिया गया है। 27 फरवरी 1931 के दिन इलाहाबाद के एल्फेट पार्क में उनके मित्र सुखदेव राम के बुलावे पर जब वे वहां पहुंचे और बात ही कर रहे थे कि पुलिस ने उन्हें घेर लिया और आज़ाद पर गोलियां दागनी शुरू कर दी। दोनों और से गोलीबारी हुई और आज़ाद ने यह कस्म खा रखी थी कि वे जीवन में कभी जिंदा पुलिस के हाथ नही आयेंगे और भारत मां के इस महान सपूत ने आखिरी गोली खुद को मार कर देश के लिए प्राण न्यौछावर कर दिए। राष्ट्र सदैव इस महान शूरवीर का कृतज्ञ रहेगा। इस अवसर पर ईश्वर पहलवान, मनीष गुप्ता, ललित गुप्ता, रणबीर सिंह, महावीर यादव, सुरेश शर्मा, प्रवीण अग्रवाल, मनोज यादव, गौरव हरित, प्रतीक शेखावत, महेन्द्र अग्रवाल, पारस चौधरी, प्रवीण यादव, श्याम लाल सोनी, सुरजीत सिंह, सोनू यादव, मोहन लाल गुप्ता, मनीष यादव आदि उपर्सथित थे।

कोसली विधायक लक्ष्मण सिंह ने राज्यपाल से चंडीगढ़ में की मुलाकात

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। कोसली विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने मंगलवार को प्रदेश के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात की तथा कोसली विधानसभा क्षेत्र संबंधी राजनीतिक सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। चंडीगढ़ में चल रहे विधानसभा के बजट सत्र के बीच कोसली विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने मंगलवार को प्रदेश के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात की। इस दौरान कोसली विधायक ने प्रदेश के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से कोसली विधानसभा क्षेत्र की राजनीतिक गतिविधियों के साथ-साथ अन्य अनेक मुद्दों पर भी चर्चा की। कोसली विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने बताया कि प्रदेश के माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उनसे राजनीति के अलावा कई मुद्दों पर जानकारी हासिल की। उन्होंने राज्यपाल को अवगत कराया कि मुख्यमंत्री मनोहरलाल के नेतृत्व में प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में समान रुप से पूरी पारदर्शिता के साथ विकास कार्य कराए जा रहे हैं। सरकार की प्रभावी योजनाओं का लाभ आमजन को मिल रहा है।

फास्टट्रैक कोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी को सुनाई 20 साल कैद

समाचार गेट/निकिता माधोगड़िया

रेवाड़ी। जिले में लग्न समारोह से लौटते वक्त 12 साल की एक बच्ची को किडनैप कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले दोषी को फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश लोकेश गुप्ता की अदालत ने 20 साल की कैद व 45 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीड़ित पक्ष की तरफ से इस मामले में जिला उपन्यायवादी एडवोकेट जगबीर सिंह सहरावत ने पैरवी की। एडवोकेट जगबीर सिंह ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने मामले में जांच के बाद कोर्ट में चालान पेश किया था। पुलिस की तरफ से कोर्ट में ठोस साक्ष्य व गवाह पेश किए गए। सभी पहलुओं को सुनने के बाद फास्ट्रेक कोर्ट ने रवि को दोषी ठहराया।

कोर्ट ने सोमवार 26 फरवरी को उसे 20 साल कैद के अलावा 45 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई। जुर्माना नहीं भरने की सूरत में दोषी को 20 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। हम आपको बता दें पुलिस के मुताबिक राजस्थान के अलवर जिले का रहने वाला एक परिवार 26 जनवरी 2022 को रेवाड़ी के कोसली कस्बा के एक गांव में किसी शादी समारोह में शामिल होने आया था। 15 साल का बेटा और 12 साल 3 महीने की उसकी छोटी बेटी दोनों परिवार के साथ यहां से 31 जनवरी 2022 को झज्जर जिले के एक गांव में लग्न समारोह में गए थे। पीड़ित परिवार के मुताबिक वापस लौटते समय झज्जर जिले का रहने वाला रवि नाम का युवक उसकी बेटी को कोसली छोड़ने का झांसा देकर अपने साथ ले गया था। आरोपी रवि बच्ची को अपने घर ले गया और उसके साथ रेप कर डाला।

रवि ने किसी को बताने पर बच्ची को जान से मारने की धमकी भी दी थी। इसके बाद वह उसे वापस कोसली छोड़ गया था। बच्ची ने अपनी मां को इस बारे में बताया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने रवि के खिलाफ अपहरण और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया था।आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादकः कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालयः मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकारः बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

करनाल स्मार्ट सिटी के तहत पारदर्शिता से किए जा रहे कार्य : मुख्यमंत्री

किसी विधायक द्वारा शिकायत दी जाएगी तो सरकार जांच करवाएगी, जो दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी– मनोहर लाल

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़ी। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि करनाल स्मार्ट सिटी के तहत पारदर्शिता के साथ विकास कार्य किए जा रहे हैं, किसी भी प्रकार का कोई भ्रष्टाचार नहीं है। किसी कार्य को लेकर यदि किसी विधायक द्वारा कोई शिकायत दी जाती है, तो निश्चित तौर पर सरकार जांच करवाएगी और जो दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री आज यहां हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में प्रश्नकाल के दौरान बोल रहे थे।

मनोहर लाल ने कहा कि स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत निश्चित कार्य किए जाते हैं, उनकी राशि भी निश्चित होती है। इसके अलावा, अन्य सभी कार्य नगर निगम द्वारा किए जाते हैं। इसलिए किसी सदस्य द्वारा ये कहना कि स्मार्ट सिटी के तहत पारदर्शिता से कार्य नहीं हो रहे, ये गलत है। विधायक लिखित में शिकायत दें तो सरकार निश्चित तौर पर उसकी जांच करवाएगी।

डिजिटल युग में हरियाणा की एक और नई छलांग

डिजिटल युग में आज हरियाणा ने नई उंचाईयों को छू लिया जब हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने घोषणा करते हुए कहा कि सभी विभागों के रिकॉर्ड को डिजिटलाइज किया जाएगा। इसके लिए मुख्यालय तथा जिला स्तर पर डिजिटल रिकॉर्ड रूम तैयार किए जाएंगे। इस व्यवस्था के लिए मौजूदा बजट 2024-25 के अलावा आवश्यकता पड़ने पर आगामी अनुपूरक बजट अनुमानों में

बजट का प्रावधान किया जाएगा।

मनोहर लाल ने कहा कि सरकार ने कैथल जिला से राजस्व विभाग के रिकॉर्ड को डिजिटलाइज करने की शुरुआत की थी और आज पूरे विभाग का रिकॉर्ड डिजिटलाइज हो चुका है।

हरियाणा विधानसभा की वेबसाइट पर डिजिटल बिजनेस मॉडयूल किया लॉन्च, 1966 से लेकर आज तक का संपूर्ण रिकॉर्ड हुआ डिजिटल

ई-विधानसभा के विजन को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता ने एक बड़ी पहल करते हुए विधानसभा के संपूर्ण रिकॉर्ड को डिजिटलाइज रूप दिया है। इसके लिए आज विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता, सदन के नेता मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल, उप मुख्यमंत्री श्री दुष्यंत चौटाला, नेता प्रतिपक्ष श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और विधानसभा उपाध्यक्ष श्री रणबीर गंगवा ने विधानसभा की वेबासइट पर डिजिटल लेजिसलेटिव बिजनेस मॉडयूल लॉन्च किया।

इस वेबसाइट पर 1966 से लेकर विधानसभा का आज तक का संपूर्ण रिकॉर्ड डिजिटल रूप से उपलब्ध होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा कि रिकॉर्ड डिजिटल होने से इसका उपयोग अच्छे से किया जा सकेगा और कभी भी जरूरत पड़ने पर इसे देखा जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने की घोषणा, अब गांव की फिरनी से 3 किलोमीटर तक स्थित डेरे व ढाणियों को मिलेंगे बिजली क्नेक्शन

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने ग्रामीण क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं के लिए घोषणा करते हुए कहा कि सरकार द्वारा अब गांव की फिरनी से 3 किलोमीटर तक स्थित डेरे व ढाणियों को बिजली क्नेक्शन दिए जाएंगे। पहले यह सीमा 1 किलोमीटर थी। इसके साथ ही, 300 मीटर तक डेरे व ढाणियों को दिये जाने वाले बिजली क्नेक्शन पर उपभोक्ताओं को कोई खर्च नहीं देना होगा। 300 मीटर के बाद भी कोई क्नेक्शन दिया जाता है तो उपभोक्ता से आधा खर्च लिया जाएगा और आधा खर्च सरकार वहन करेगी। पहले यह सीमा 150 मीटर थी। मनोहर लाल ने एक अन्य घोषणा करते हुए कहा कि डेरे व ढाणियों के जो उपभोक्ता ट्यूबवेल की बजाय ग्रामीण फीडर से बिजली क्नेक्शन लेना चाहता है, तो टांसफार्मर का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। उपभोक्ता को केवल नई लाइन का खर्च वहन करना होगा।

हरियाणा में युवाओं को सही दिशा और उनके उत्थान को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत

दो महत्वपूर्ण बिल हुए पारित, ताकि तरुणाई को नशे से दूर रखते हुए उन्हें आदर्श जीवन जीने की कला मिल सके

गृह मंत्री श्री अनिल विज पूरी तरह से आशावान, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद, हरियाणा संशोधन विधेयक के आने के बाद युवाओं में इस प्रकार के विषाक्त पदार्थ युक्त सेवन से बचाव होगा

तम्बाकू उत्पादों के उत्पादन या विनिर्माण के लेबल पर विनिर्दिष्ट चेतावनी और निकोटीन और टार अंतर्वस्तु नहीं होने पर प्रथम दोषसिद्धि में, कारावास की अवधि दो वर्ष तक और पांच हजार रुपए तक का जुर्माना और द्वितीय या पश्चात्वर्ती दोषसिद्धि में, कारावास की अवधि पांच वर्ष तक और जुर्माना दस हजार रुपए तक हो सकेगा

तम्बाकू उत्पादों का विक्रय या वितरण करने पर उनके लेबल पर विनिर्दिष्ट चेतावनी और निकोटीन तथा टार अंतर्वस्तु नहीं होने पर प्रथम दोषसिद्धि में कारावास की अवधि एक वर्ष तक और एक हजार रुपए तक का जुर्माना तथा द्वितीय या पश्चात्वर्ती दोषसिद्धि की दशा में, कारावास की अवधि दो वर्ष तक और जुर्माना तीन हजार रुपए तक का हो सकेगा

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज का कहना है कि राज्य में युवाओं को सही दिशा और उनके उत्थान को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है और इस दिशा में गत दिवस हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में दो महत्वपूर्ण बिलों को पारित किया गया।

इन बिलों में सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) हरियाणा संशोधन विधेयक, 2024 और हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती मेला प्राधिकरण विधेयक, 2024 शामिल है ताकि हमारी तरुणाई को नशे से दूर रखते हुए उन्हें आदर्श जीवन जीने की कला मिल सके।

श्री विज कहते है कि युवाओं को नशे से बचाने के लिए सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 को, संशोधित करते हुए सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) हरियाणा संशोधन विधेयक, 2024 पारित किया गया।

वे कहते है कि हमने इस बात को गंभीरता से लिया है कि हरियाणा के विभिन्न जिलों में हुक्का बार निकोटीन युक्त तंबाकू के साथ हुक्का / नार्गली परोस रहे हैं जो बड़े पैमाने पर जनता और युवाओं के स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। ऐसे हुक्का बारों द्वारा कई बार विभिन्न स्वाद / जड़ी-बूटियाँ भी परोसी जाती हैं। इसके अलावा, कई बार तो इन हुक्का बारों में स्वाद / जड़ी-बूटी परोसने की आड़ में प्रतिबंधित दवाएं भी परोसी जाती हैं। इस तरह के हुक्का बारों में पानी की पाइप प्रणाली और चारकोल के साथ गर्म किया गया स्वादयुक्त घटक शीशा शामिल होता है जो स्वास्थ्य के लिए घातक होता है। इससे जुड़े जोखिम कम या न होने की गलत धारणा, कई स्वादों की उपलब्धता तथा धुएं की कम कठोरता के कारण इसका उपयोग काफी बढ़ गया है। जबकि ऐसे स्वाद वाले हुक्के के धुएं में विभिन्न विषाक्त पदार्थ होते हैं जो न केवल धूम्रपान करने वाले व्यक्ति के लिए बल्कि निष्क्रिय धूम्रपान के कारण आस-पास के लोगों के लिए भी हानिकारक होते हैं।

श्री विज के अनुसार आम जनता के व्यापक हित को ध्यान में रखते हुए 'सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (विज्ञापन का निषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय और वितरण का विनियमन) हरियाणा संशोधन विधेयक, 2024' को परिभाषित करने, और 'हुक्का बार' को प्रतिबंधित करने और इसके अलावा, हरियाणा राज्य में हुक्का बार, होटल, रेस्तरां, शराबखाने या अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में धूम्रपान के लिए कोई हुक्का / नार्गली न परोसा जाए और उससे जुड़े और उसके प्रासंगिक मामलों के लिए यह विधेयक आवश्यक हो रहा था। इसलिए इस विधेयक को पास किया गया है।

श्री विज ने धारा-20 विनिर्दिष्ट चेतावनी देने और निकोटीन तथा टार अंतर्वस्तु का उपदर्शन करने में असफल रहने पर दंड के बारे में बताया कि:-

(1) ऐसा कोई व्यक्ति, जो ऐसी सिगरेटों या ऐसे तम्बाकू उत्पादों का उत्पादन या विनिर्माण करेगा जिन पर या तो पैकेज पर या उनके लेबल पर विनिर्दिष्ट चेतावनी और निकोटीन और टार अंतर्वस्तु नहीं दी गई है, प्रथम दोषसिद्धि की दशा में, कारावास से जिसकी अवधि दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से, जो पांच हजार रुपए तक का हो सकेगा अथवा दोनों से, तथा द्वितीय या पश्चात्वर्ती दोषसिद्धि की दशा में, कारावास से, जिसकी अवधि पांच वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माने से, जो दस हजार रुपए तक का हो सकेगा, दंडनीय होगा।

(2) ऐसा कोई व्यक्ति, जो ऐसी सिगरेटों या तम्बाकू उत्पादों का विक्रय या वितरण करेगा जिन पर या तो पैकेज पर या उनके लेबल पर विनिर्दिष्ट चेतावनी और निकोटीन तथा टार अंतर्वस्तु नहीं दी गई है, प्रथम दोषसिद्धि की दशा में कारावास से जिसकी अवधि एक वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से, जो एक हजार रुपए तक का हो सकेगा अथवा दोनों से तथा द्वितीय या पश्चात्वर्ती दोषसिद्धि की दशा में, कारावास से, जिसकी अवधि दो वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माने से, जो तीन हजार रुपए तक का हो सकेगा, दंडनीय होगा ।

इसमें दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) में किसी बात के होते हुए भी, इस अधिनियम के अधीन दंडनीय अपराध जमानतीय होगा।

श्री विज पूरी तरह से आशावान है कि इस विधेयक के आने के बाद युवाओं में इस प्रकार के विषाक्त पदार्थ युक्त सेवन से बचाव होगा और युवाओं को नशे से बचने के लिए यह विधायक एक लाभकारी मॉड्यूल के रूप में काम करेगा।

युवाओं में आदर्श सद्गुण उत्पन्न करने के लिए कल विधान सभा में हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती मेला प्राधिकरण विधेयक, 2024 पारित किया

इसी प्रकार से युवाओं में आदर्श सद्गुण उत्पन्न करने के लिए कल विधान सभा में हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती मेला प्राधिकरण विधेयक,2024 पारित किया गया है। भारतीय परम्परा के अनुसार, भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में महाभारत के युद्ध क्षेत्र में अर्जुन को श्रीमद् भगवद् गीता का शाश्वत सन्देश दिया था। यह प्रसंग कलयुग के शुरू होने से लगभग 36 वर्ष पहले घटित हुआ माना जाता है। तदानुसार, 5160 वर्ष पूर्व भगवान श्री कृष्ण द्वारा श्रीमद् भगवद् गीता का सन्देश दिया गया था। हिन्दू कलैन्डर के अनुसार गीता जयन्ती मार्गशीर्ष माह के शुक्लपक्ष की एकादशी तिथि को मनाई जाती है जो कि कभी नवम्बर अथवा कभी दिसम्बर मास में आती है।

कुरुक्षेत्र की पुरानी विरासत तथा परम्परा को बचाने हेतु, हरियाणा सरकार द्वारा पहली अगस्त, 1968 को कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड का गठन किया गया था। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा वर्ष 1989 से कुरुक्षेत्र में गीता जयन्ती महोत्सव मनाया जा रहा है। हरियाणा सरकार द्वारा कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सौजन्य से श्रीमद् भगवद् गीता का महोत्सव वर्ष 2016 से अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस महोत्सव द्वारा शाश्वत शांति सन्देश, सद्भाव एवं भाईचारा जो श्रीमद् भगवद् गीता में विद्यमान है, को पूरे ब्रह्माण्ड में साझा करने का उद्देश्य है।

यह महोत्सव कुरुक्षेत्र, जिसको धर्मक्षेत्र या धार्मिक भूमि भी कहा जाता है, में 18 दिन तक मनाया जाता है। यह महोत्सव कुरुक्षेत्र की भूमि से जुड़ी महान सांस्कृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक परम्पराओं को दर्शाने का मौका देता है। कुरुक्षेत्र के अतिरिक्त, पूरे हरियाणा राज्य में भी यह महोत्सव तीन दिन के लिये मनाया जाता है। यह महोत्सव भारत से बाहर जैसे कि मारीशस गणराज्य (फरवरी, 2019), युनाइटेड किंगडम(अगस्त, 2019), कनाडा (2022) तथा आस्ट्रेलिया (2023) में भी आयोजित किया गया है। ऑस्ट्रेलिया में आयोजित हुए अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में राज्य के गृहमंत्री श्री अनिल जी ने शिरकत की और अपना शुभ संदेश भी दिया था। इस महोत्सव की अवधि के दौरान देश एवं विदेश से बड़ी संख्या में लोग व श्रद्धालु अपने आप को स्थानीय लोगों के साथ उत्साहपूर्वक सम्मिलित करते हैं।

वर्तमान में गीता जयंती महोत्सव को आयोजित करने के लिए राज्य में कोई स्वतन्त्र प्राधिकरण/निकाय नहीं है। राज्य सरकार महसूस करती है कि अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के प्रबन्धन एवं विनिमयन हेतु एक प्रभावी प्राधिकरण का गठन करने की आवश्यकता है जिससे कि अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन ठीक एवं सही तरीके से हो सके तथा तीर्थयात्रियों एवं श्रद्धालुओं को महोत्सव के दौरान बेहतर सुविधायें प्रदान की जा सकें। प्राधिकरण का मुख्य कार्य श्रीमद् भगवद् गीता की शिक्षा को प्रसारित करना एवं लोकप्रिय बनाना तथा साथ ही सांस्कृतिक, शैक्षिक सेमिनार, कार्यशालायें, मेले, प्रदर्शनियां एवं सम्मेलनों का आयोजन करना होगा। यह श्रद्धालुओं व तीर्थयात्रियों को सभी आवश्यक सेवायें मुहैया करवायेगा और इसके पास जनहित में इस प्रस्तावित विधेयक में वर्णित सभी शक्तियां एवं कर्तव्य होंगे।

घोटाले की जांच के बिना क्लीन चीट कैसे : विधायक नीरज शर्मा

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़/फरीदाबाद। आज दिनांक 27 फरवरी को एनआईटी फरीदाबाद से विधायक नीरज शर्मा ने तारांकित प्रश्न संख्या 66, में सरकार से पूछा था कि नगर निगम फरीदाबाद में बिना किसी कार्य के निष्पादन के रुपए 200 करोड की राशि के घोटाले के संबंध में (सी.ए.जी.) की रिपोर्ट दिनांक 31.03.2021 के पैरा 5.8 में उल्लेखित टिप्पणियां क्या है; तथा उन अधिकारियों के नाम क्या हैं जिन्होंने नगर निगम, फरीदाबाद में बिना किसी कार्य के रुपए 200 करोड़ के घोटाले का भुगतान किया तथा उनमें से उन अधिकारियों के नाम क्या हैं जिनके विरुद्ध जांच की जा रही है तथा शेष अधिकारियों के विरुद्ध जांच न करने के कारण क्या हैं तथा अधिकारी-वार ब्यौरा क्या है ।

जिसपर सदन में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री ने बताया कि भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (सी.ए.जी) की रिपोर्ट दिनाकिंत 31.03.2021 के पैरा 5.8 की टिप्पणी, नगर निगम, फरीदाबाद (एम.सी.फ.) को 23.80 करोड़ के नुकसान की बात करती है क्योंकि इन भुगतानों के विरुद्ध कोई कार्य निष्पादित नहीं किया गया था। इसके अतिरिक्त, अप्रैल 2015 से जून 2020 तक उसी ठेकेदार को 183.83 करोड़ की राशि वितरित की गई। नगर निगम, फरीदाबाद की लेखा शाखा द्वारा 104.30 करोड के भुगतान वाउचर लेखापरीक्षा को उपलब्ध कराए गए, जबकि, 79.53 करोड़ के भुगतान वाउचर लेखापरीक्षा को उपलब्ध नहीं कराये गये। यह, नगर निगम, फरीदाबाद के कमजोर आंतरिक और वित्तीय नियंत्रण को दर्शाता है।

सी.ए.जी रिपार्ट तथा ए.सी.बी की जांच रिपोर्ट में बताए गए कार्यां के लिए भुगतान सिफारिश करने वाले अधिकारियों के नाम जिन अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ.आई.आर.) दर्ज की गई है और जांच प्रक्रिया में है, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यरू (एसीबी) मामले की जांच कर रही है। एसीबी ने आज तक उन अन्य अधिकारियों की आपराधिक संलिप्तता का कोई संकेत नहीं दिया है।

विधायक नीरज शर्मा ने सदन मे प्रश्न की चर्चा मे कहा कि मंत्री जी ने जो जवाब दिया है उसी में विरोधाभास है। क्योकि सरकार ने एसीबी के तो पैर ही बांध रखे है, 31 मार्च 2020 के बाद की जांच ही नहीं की जाएगी। जबकि मार्च के बाद ही इसमें सबसे ज्यादा पेमेंट की गई है। विधायक नीरज शर्मा ने कहा कि मंत्री जी आप सरकार है आप तुरंत आदेश करें कि 200 करोड़ के घोटाले में एसीबी के पैर ना बांधे जाएं एक-एक पाई की रिकवरी की जांए और जो भी इसमें शामिल है उनके खिलाफ सजा मुकर्रर की जाए।

विधायक नीरज शर्मा ने सदन में मांगा करी कि इस घोटाले की जांच ईडी या सीबीआई से करवाए या फिर एसीबी को सतबीरा ठेकेदार एंव उसकी अन्य फर्मो को दी गई एक-1 पेमेंट जिस अधिकारी ने की है उसकी अनुमति तुरंत दे।

सतबीरा ठेकेदार ने जिस टैवल एजेंट को पेमेंट की है सरकार इतना ही पता करवाले कौन-2 से अधिकारी ने जहाजो की यात्रा की है, कौन किसके शपथ ग्रहण समारोह में गया था। सारी बात स्पष्ट हो जाएगी।

हरियाणा के सभी नागरिक अस्पतालों में जन-औषधि केन्द्र स्थापित किए जाएंगे : स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज

इन जन-औषधि केन्द्रों में फार्मासिस्ट भी नियुक्त किए जाएंगे- अनिल विज

राज्य के 17 जिलों में सीटी स्कैन सेवांए चालू हैं- विज

राज्य की 162 पीएचसी/सीएचसी अन्य के जीर्णाद्धार के लिए राशि को जारी कर दिया है- विज

समाचार गेट ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि राज्य के सभी नागरिक अस्पतालों में जन-औषधि केन्द्र स्थापित किए जाएंगें और इस संबंध में केन्द्र सरकार से बातचीत चल रही है। इन जन-औषधि केन्द्रों में फार्मासिस्ट भी नियुक्त किए जाएंगें। श्री विज आज यहां हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य में सभी 22 जिलों को कवर करते हुए खुदरा दवा लाइसेंस रखने वाले लगभग 171 केन्द्र हैं। सरकारी अस्पतालों/मैडीकल कालेजों में पांच केन्द्र चल रहे हैं। प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य कल्याण समिति को कार्य करने के लिए प्राधिकृत किया गया है, इनमें से करनाल, भिवानी, रेवाडी, गुरूग्राम और यमुनानगर के जिला अस्पतालों में पांच जन-औषधि केन्द्रों ने काम करना शुरू कर दिया है। श्री विज ने कहा कि राज्य के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में पीपीपी मोड के तहत सीटी स्कैन/एमआरआई स्कैन को शुरू किया गया है और वर्तमान में झज्जर, चरखी-दादरी, फतेहाबाद, नूंह और नारनौल को छोड़कर 17 जिलों में सीटी स्कैन सेवांए चालू हैं तथा झज्जर और चरखी-दादरी के लिए निविदाएं जारी की गई है। उन्होंने बताया कि एमआरआई सेवाएं 5 जिलों अंबाला, भिवानी, फरीदाबाद, गुरूग्राम और पंचकूला में उपलब्ध हैं और 6 जिलों कुरूक्षेत्र, पानीपत, बहादुरगढ (झज्जर), पलवल, चरखी-दादरी और यमुनानगर के लिए निविदा पहले ही जारी की जा चुकी और प्रक्रियाधीन है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य की 162 पीएचसी/सीएचसी अन्य के जीर्णाद्धार के लिए राशि को जारी कर दिया गया है और इसके तहत चरखी-दादरी के सीएचसी व पीएचसी पहले चरण में ही तैयार की जाएगी तथा सभी 29 उप-स्वास्थ्य केन्द्रों का पुनर्निर्माण अगले वित्तीय वर्ष में पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि दादरी शहर के नागरिक अस्पताल में किफायती दरों पर दवाईयां उपलब्ध कराने का कार्य अगले वित्तीय वर्ष में पूरा होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पीपीपी मोड के माध्यम से सीटी स्कैन और एमआरआई स्कैन की सुविधा प्रदान करने के लिए निविदा प्रक्रियाधीन है और इसे अगले वित्तीय वर्ष में अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है।

साल 2022 में 990 चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्त किया गया- विज

हरियाणा के चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार स्पेशलिस्ट काडर बनाने जा रही है और इस पर सैद्धांतिक तौर पर सहमति दे दी गई है। इस संबंध में फाइल वित्त विभाग के पास हैं और जैसे ही इस बारे में अनुमति मिलेगी तो स्पेशलिस्ट काडर तथा एमबीबीएस काडर की अलग-अलग रिक्तियों को निकाला जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य में पहली बार डाक्टरों की नियुक्ति बड़े स्तर पर की गई है जिसके तहत साल 2022 में 1252 डाक्टरों की भर्ती के लिए विज्ञापन निकाला गया था और 990 चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्त किया गया। श्री विज ने कहा कि यह ठीक बात है कि राज्य में डाक्टरों की कमी है और सरकार पूरा प्रयास कर रही है कि मानदण्डों के अनुसार डाक्टरों की भर्ती हो। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्ष 2017-18 में 662 डाक्टरों की भर्ती निकाली गई थी, जिनमें से 554 डाक्टरों को नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार, साल 2020 में 954 डाक्टरों को नियुक्त किया गया है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में 1252 डाक्टरों की रिक्तियों के विरूद्ध 990 चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। श्री विज ने कहा कि भर्तियों की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य में 5522 डाक्टरों के कुल स्वीकृत पद हैं जिनमें से 4016 डाक्टर के पद भरे हुए हैं और वर्तमान में 1506 रिक्त पद हैं। उन्होंने कहा कि डाक्टर कई बार नौकरी छोडकर चले जाते हैं और पद रिक्त हो जाते हैं। लेकिन वर्तमान राज्य सरकार स्पेशलिस्ट काडर बनाने जा रही है और हमने इस पर सैद्धांतिक तौर पर इस पर सहमति दे दी है।